PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 313 ● भिलाई, शुक्रवार 26 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

# वेनेजुएला में 39 सेकेंड में भूकंप के 2 बड़े झटके, अब तक 164 की मौत, 971 घायल

**कराकस, वेनेजुएला (ए)।** वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे।

इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

***सार्वजनिक परिवहन और सेवाओं में बाधा***– काराकास के मुख्य सिमोन बोलिवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नुकसान के कारण बंद कर दिया गया है।

पूरे देश में मेट्रो और ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया। स्कूलों में भी छुट्टियां कर दी गईं। भूकंप के कारण शहर में ईंधन की आपूर्ति रोक दी गई है और इंटरनेट ब्लैकआउट की भी खबरें सामने आई हैं। फलहाल 500 से ज्यादा आपातकालीन कार्यकर्ता चकाओ जैसी जगहों पर मलबे से लोगों को जिंदा निकालने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चला रहे हैं। गैस लाइनों के फटने और क्षतिग्रस्त इमारतों के गिरने के डर से सरकार ने लोगों को खुले में रहने की सलाह दी है।

वेनेजुएला भौगोलिक रूप से बहुत ही सक्रिय और जटिल क्षेत्र में स्थित है। यह देश मुख्य रूप से कैरीबियाई प्लेट और दक्षिण अमेरिकी प्लेट के बीच की सीमा पर मौजूद है। कैरीबियाई प्लेट दक्षिण अमेरिकी प्लेट की तुलना में हर साल लगभग दो सेंटीमीटर की दर से पूर्व की ओर खिसक रही है। प्लेटों की इस गति की वजह से इस क्षेत्र की दरारों में भारी मात्रा में ऊर्जा और दबाव पैदा होता रहता है। मौजूदा समय में हर आधुनिक स्मार्टफोन में एक एक्सेलेरोमीटर सेंसर होता है। आमतौर पर यह सेंसर आपके फोन की स्क्रीन को रोटेट (लैंडस्केप या पोर्ट्रेट मोड) करने के काम आता है। लेकिन यह जमीन में होने वाले कंपनों को डिटेक्ट करने और उन्हें मापने में भी सक्षम है।

### भूकंप के एक के बाद एक झटके

बुधवार शाम करीब 6: 04 बजे (स्थानीय समयानुसार), जब लोग 1821 के बैटल ऑफ कारावोबो की याद में मनाए जा रहे राष्ट्रीय अवकाश के कारण अपने घरों में थे, तब पहला भूकंप आया। यह पहला झटका 7.2 तीव्रता का था, जिसका केंद्र राजधानी काराकास के पश्चिम में याराकुय राज्य के मोरोन तटीय शहर के पास लगभग 13 से 22 किलोमीटर की गहराई में था। इसके ठीक 39 सेकंड बाद उसी क्षेत्र में 7.5 तीव्रता का एक और शक्तिशाली दूसरा भूकंप आया। एक ही क्षेत्र में कुछ ही सेकंड के अंतराल पर आए लगभग समान तीव्रता के दो शक्तिशाली झटकों को वैज्ञानिक डबलेट भूकंप कहते हैं।

### जबरदस्त तबाही और राहत-बचाव कार्य

भूकंप के झटके इतने तेज थे कि राजधानी काराकास में इमारतें हिलने लगीं और कई पूरी तरह ढह गईं। चाकाओ नगर पालिका में कम से कम दो इमारतें पूरी तरह से गिर गईं। सड़कों में गहरी दरारें पड़ गईं और वे बीच से फट गईं। एक ऊंची इमारत पर बना स्विमिंग पूल टूट गया और उसका सारा पानी सड़क पर आ गिरा। काराकास के पास स्थित मुख्य सिमोन बोलिवर अंतरराष्ट्रीय मैकेतिया हवाई अड्डा को भारी नुकसान पहुंचा, इसके कारण उसे तुरंत बंद कर दिया गया। भूकंप के झटके इतनी दूर तक महसूस किए गए कि वेनेजुएला के अलावा 1000 किमी दूर कोलंबिया (बोगोटा) और ब्राजील के एमेजॉन क्षेत्र तक महसूस किए गए।

### सरकारी कदम और आपातकाल की घोषणा

अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने तुरंत पूरे देश में आपातकाल घोषित कर दिया। मेट्रो और ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं, और स्कूलों को सप्ताह के बाकी दिनों के लिए बंद कर दिया गया। मुख्य भूकंप के बाद 20 से अधिक आफ्टरशॉक्स (झटके) महसूस किए गए, इसलिए अधिकारियों ने लोगों को क्षतिग्रस्त इमारतों से बाहर खुले में रहने की सलाह दी। शुरुआत में अमेरिका के सुनामी चेतावनी प्रणाली द्वारा कैरेबियाई क्षेत्रों (प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स) के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया।

## समाचार सार

### भारतीय रिजर्व बैंक के यू-टर्न से टाटा संस को मिल सकती है बड़ी राहत

**नईदिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बुधवार देर रात जारी अपर-लेयर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए अंतिम दिशा-निर्देशों ने इस उम्मीद को फिर से जगा दिया है कि टाटा संस को अनिवार्य लिस्टिंग की बाध्यता से राहत मिल सकती है।

### एआई और क्लाउड इंफ्रा में 1.23 लाख करोड़ का नया निवेश

**नईदिल्ली।** अमेजन भारत में साल 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए 13 अरब डॉलर (करीब 1.23 लाख करोड़ रुपया) के अतिरिक्त निवेश करेगी। अमेरिकी कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अतिरिक्त निवेश की योजना का ऐलान किया।

### पासपोर्ट बनवाना व रिन्यू करवाना हुआ महंगा

**नईदिल्ली।** अगर आप नया पासपोर्ट बनवाने या पुराने को रिन्यू कराने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट और अन्य ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स से जुड़ी सेवाओं की फीस में बड़ा बदलाव किया है। विदेश मंत्रालय द्वारा 'पासपोर्ट नियम, 2026' के तहत जारी अधिसूचना के मुताबिक, ये नई दरें 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएंगे। इस बदलाव के बाद अब आम जनता को नया पासपोर्ट बनवाने के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे।इन नए नियमों के अनुसार, 18 साल या उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए 36 पन्नों का नया या दोबारा जारी होने वाला साधारण पासपोर्ट अब 1,500 रुपये की जगह 2,500 रुपये में बनेगा।

### मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों पर अवैध रेत कारोबार पर शिकंजा

# गुडलू में 135 घनमीटर रेत जब्त 83 हजार रुपये का वसूला जुर्माना

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, जवाबदेही और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण संबंधी स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप जशपुर जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अवैध रेत भंडारण एवं रेत तस्करी संबंधी शिकायत पर खनिज विभाग ने त्वरित जांच कर बड़ी कार्रवाई की है।

जांच के दौरान बगीचा विकासखंड के ग्राम पंचायत गुडलू में 19 जून 2026 को 135 घनमीटर रेत का अवैध भंडारण पाया गया। शिकायत प्राप्त होते ही खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भंडारित रेत को जब्त कर लिया। मामले में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत भंडारण के मामले में 40 हजार 780 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

वहीं अवैध रेत परिवहन के चार अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 42 हजार 736 रुपये की राशि खनिज मद में जमा कराई गई। इस प्रकार कुल 83 हजार रुपये से अधिक की राशि अर्थदंड एवं राजस्व के रूप में वसूल की गई। सहायक खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि को रोकना है। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन या भंडारण की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई कर ऐसे मामलों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

सरकार ने खनन पट्टों के समामेलन की प्रक्रिया को भी सरल बनाया है। इससे अलग-अलग प्रकार से स्वीकृत पट्टों के एकीकरण में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयां दूर होंगी और शासन को प्रीमियम राशि प्राप्त करने में सुविधा होगी। निर्माण विभागों में खनिज रॉयल्टी कटौती की व्यवस्था को भी एक समान बनाया गया है। अब सभी विभाग खनिज की कीमत के साथ रॉयल्टी, डीएमएफ, पर्यावरण उपकर, अधोसंरचना उपकर और सुरक्षा के तौर पर अतिरिक्त राशि निर्धारित नियमों के अनुसार काटेंगे।

### अमेजन का भारत में बड़ा दांव

# 48 अरब डॉलर के निवेश का एलान, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद सीईओ का एलान

**नई दिल्ली (ए)।** दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स और आईटी कंपनी अमेजन ने गुरुवार को भारत में 2026 से 2030 के बीच 48 अरब डॉलर की पूंजी निवेश करने की बात कही है। अमेजन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद इसका एलान किया।

जेसी ने कहा, हमने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले साल के अंत में हमने 2026 से 2030 के बीच भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया और अब हम इस राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर रहे हैं। अमेजन का यह निवेश भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। अमेजन के इस एलान के बाद कुल मिलाकर, 2010 से 2030 तक भारत में अमेजन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह निवेश ई-कॉमर्स नेटवर्क, त्वरित वाणिज्य संचालन और प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर में संतुलित रहेगा। अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के दृष्टिकोण को जेसी ने उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लगभग हर पहलू में महत्वपूर्ण देश बन गया है। प्रधानमंत्री के पास देश को हर आयाम पर बेहतर बनाने के कई विचार हैं। बढ़ी हुई वित्तीय प्रतिबद्धता का मुख्य कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग है। कंपनी ने अपनी संसाधन आवंटन योजना को बढ़ाया है। इस पूंजी का एक विशिष्ट हिस्सा उन्नत डिजिटल प्रणालियों को लक्षित करता है।

### किन क्षेत्रों पर रहेगा विशेष ध्यान?

जेसी ने बताया कि उनके निवेश का एक बड़ा हिस्सा बाजार कारोबार में है। हालांकि, आज घोषित 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है। भारत दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बन रहा है। यहां इतनी अधिक मांग है कि कंपनी क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दोनों क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगी। यह निवेश भारत के तकनीकी विकास को गति देगा।

### रोजगार और निर्यात पर क्या होगा असर?

यह निवेश दीर्घकालिक रोजगार और आर्थिक मापदंडों के बारे में भी बताता है। कंपनी का लक्ष्य 2024 में समर्थित 28 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों को 2030 तक लगभग 38 लाख तक बढ़ाना है। 2030 तक 80 अरब डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम करने का लक्ष्य भी है।

### अंतरराष्ट्रीय कानूनी मंच पर बोले सीजेआई सूर्यकांत

# 'समानता की शुरुआत कानून तक समान पहुंच से होती है'

**नई दिल्ली (ए)।** भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि समानता की दिशा में पहला कदम कानून तक समान पहुंच देना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए।

बुधवार को रूस में आयोजित 14वें सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय कानूनी मंच में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानून तक समान पहुंच का फल खोखली वैधानिक घोषणाओं के बजाय वास्तविक अधिकारों के प्रावधान के रूप में मिलना चाहिए। हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि कानून के समक्ष समानता को वास्तविक रूप देने के लिए वास्तव में क्या आवश्यक है? मेरा जवाब, जो मुझे दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे जटिल न्यायिक प्रणालियों की अध्यक्षता करने के अपने अनुभव से मिलता है। यह है कि समानता की दिशा में पहला कदम कानून तक समान पहुंच प्रदान करना है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इस तरह की पहुंच महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं हो सकती है। खोखली वैधानिक घोषणाओं के बजाय वास्तविक अधिकारों के प्रावधान में परिणत होनी चाहिए।

# विदेश जाना हुआ महंगा, सरकार ने बढ़ाए पासपोर्ट के शुल्क

### 1 जुलाई से 36 पेज के लिए देने होंगे 2,500

**नई दिल्ली।** विदेश घूमने, पढ़ाई करने या काम के सिलसिले में देश से बाहर जाने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने नया पासपोर्ट बनवाने और पुराने को रिन्यू कराने की फीस में भारी इजाफा कर दिया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026% के तहत नई दरें 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएंगी। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि आपकी जेब पर इसका कितना असर होने वाला है। नए नियमों के अनुसार, 18 साल या उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए पासपोर्ट सेवाओं की दरों में सीधे तौर पर बदलाव किया गया है। 36-पेज का पासपोर्ट पहले इसके लिए 1,500 रुपये देने होते थे, लेकिन अब नॉर्मल फीस बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है। वहीं, अगर आप इसे तत्काल सेवा के तहत बनवाते हैं, तो आपको कुल 5,000 रुपये चुकाने होंगे। 60-पेज का पासपोर्ट जो लोग ज्यादा सफर करते हैं और 60 पेज का जंबो पासपोर्ट बनवाते हैं, उन्हें अब 2,000 रुपये के बजाय 3,500 रुपये देने होंगे। इसका तत्काल शुल्क 6,000 रुपये तय किया गया है।

# कोलकाता गोदाम हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई

**कोलकाता (ए)।** पश्चिम कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार दोपहर तीन मंजिला निर्माणाधीन गोदाम ढह गया। हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। मलबे से निकाले गए 20 लोगों का अस्पताल में इलाज जारी है। इनमें कई की हालत गंभीर है। अभी भी कई लोग मलबे में फंसे हुए हैं और उन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान जारी है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

***पीएम ने जताया दुख, मुआबजे का एलान भी किया***– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। इसके अलावा, घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार भी पीड़ितों की मदद के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

***इमारत का ढांचा अचानक भरभराकर नीचे गिरा***– हादसे के समय वहां कई लोग काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान इमारत का ढांचा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए राहत बचाव की टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। बचाव कार्य के दौरान एक शख्स की दर्दभरी पुकार ने सबको भावुक कर दिया।

वह अपनी जान बचाने के लिए अपना पैर तक कटवाने को तैयार था। रेस्क्यू टीम ने उसे सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

***मामले में कई लोग गिरफ्तार***–पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही बरतने के आरोप में बिल्डिंग सुपरवाइजर सैयद मोहम्मद गुलजार और दो लेबर सप्लायर मोहम्मद अताउल और सुभाष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

### बृहस्पतिवार को भी नहीं पहुंची एसआईटी, अकाउंट सिस्टम की भी पड़ताल करेगी एसआईटी

# राम मंदिर चढ़ावा चोरी में पहली एफआईआर दर्ज, पांच आरोपी नामजद

**नई दिल्ली।** श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के मामले में गुरुवार को पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मुकदमा कृष्णमोहन की तहरीर पर दर्ज किया गया है। एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि चढ़ावे की राशि के संग्रहण और जमा प्रक्रिया में सामने आई कथित अनियमितताओं की जांच के बाद यह मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल ने अपनी प्रारंभिक पड़ताल में कुछ तथ्यों को चिन्हित किया था।

जिसके आधार पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू की। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन, चढ़ावे के प्रबंधन और अन्य संबंधित पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी। जांच एजेंसियां दस्तावेजों, रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण कर रही हैं।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) बृहस्पतिवार को भी अयोध्या नहीं पहुंची। हालांकि दिन भर प्रशासनिक और धार्मिक हलकों में एसआईटी के आने को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। अब संभावना जताई जा रही है कि टीम शुक्रवार को फिर अयोध्या पहुंचकर जांच की अगली कार्रवाई शुरू कर सकती है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की टीम बीते शनिवार की रात अब तक जुटाए गए तथ्यों और प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ लखनऊ लौट गई थी। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद आगे की जांच की रणनीति तैयार की जा रही है। हालांकि एसआईटी से जुड़े कुछ कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ अयोध्या में ही मौजूद हैं तथा आवश्यक दस्तावेजों और सूचनाओं का संकलन जारी है। बृहस्पतिवार को पूरे दिन राम जन्मभूमि परिसर, प्रशासनिक कार्यालयों और संत समाज के बीच यह चर्चा बनी रही कि एसआईटी कभी भी अयोध्या पहुंच सकती है। कई लोगों की नजरें संभावित पूछताछ और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी रहीं। आरोप लगाने वाले पक्षों और मामले से जुड़े कुछ लोगों में भी टीम के आगमन को लेकर उत्सुकता देखी गई।

जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसआईटी अब तक प्राप्त शिकायतों, वीडियो साक्ष्यों, दस्तावेजों और दान व्यवस्था से संबंधित अभिलेखों का मिलान कर रही है। इसके बाद जरूरत पड़ने पर आरोप लगाने वालों, गणना प्रक्रिया से जुड़े लोगों तथा अन्य संबंधित पक्षों से दोबारा पूछताछ की जा सकती है।

### 2 करोड़ की जमीन कुछ ही मिनटों में 18.5 करोड़ की

संजय सिंह द्वारा सौंपे गए दस्तावेजों के अनुसार 18 मार्च 2021 को सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी ने कुसुम पाठक और हरीश पाठक से गाटा संख्या 243, 244 और 246 की जमीन दो करोड़ रुपये में खरीदी। आरोप है कि उसी दिन कुछ ही देर बाद यही जमीन ट्रस्ट को 18.5 करोड़ रुपये में बेच दी गई। सांसद का दावा है कि इस एक सौदे में करीब 16.5 करोड़ रुपये का अंतर है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस बैनामे के गवाह तत्कालीन मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा थे।

### दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मौत का तांडव

# ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार, महाराष्ट्र के चार की मौत

**मंदसौर।** दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों और घायलों की पहचान सामने आ गई है। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के तितरोद के पास हुए इस दर्दनाक हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं।

तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए सभी लोग महाराष्ट्र के औरंगाबाद और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं। मृतकों में सचिन गंगाधर, संदीप बोरसे, राजेंद्र कोवडे और रविंद्र काले शामिल हैं। वहीं हादसे में अब्दुल खलील और उमर जागीरदार गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार मंदसौर जिला अस्पताल में जारी है।

बताया जा रहा है कि सभी लोग कार में सवार होकर औरंगाबाद से दिल्ली जा रहे थे। उनका उद्देश्य मोबाइल इक्विपमेंट से जुड़ा सामान खरीदना था। इसी दौरान सीतामऊ के समीप तितरोद के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस, एम्बुलेंस और बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि कुछ घायल और मृतक करीब एक घंटे तक वाहन में ही फंसे रहे।

# शराब के नशे में धुत दूल्हे को दुल्हन ने लौटाया

**जांजगीर की साहसी बेटी सम्मानित**

**एसपी ने बनाया परिवार परामर्श केंद्र का महिला काउंसलर**

**जांजगीर-चांपा/विशेष संवाददाता।** समाज में नशामुक्ति और महिला सशक्तिकरण की एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल पेश करने वाली जांजगीर-चांपा की एक साहसी बेटी को पुलिस विभाग ने एक बड़ा और विशेष सम्मान दिया है। शादी के मंडप में शराब के नशे में धुत दूल्हे को देखकर बारात वापस लौटाने वाली ग्राम कोसमंदा की इस युवती के जज्बे को सलाम करते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) विजय कुमार पाण्डेय ने उसे न केवल सम्मानित किया, बल्कि जिला परिवार परामर्श केंद्र में बतौर 'महिला काउंसलर' (सलाहकार) नियुक्त करने की एक बड़ी घोषणा भी की है।

**सिंदूर रस्म के समय लिया था बारात लौटाने का साहसिक फैसला–** यह पूरा मामला थाना चांपा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमंदा का है। यहाँ विवाह समारोह के दौरान जब शादी की सबसे महत्वपूर्ण 'सिंदूर रस्म' का समय आया, तब दुल्हन (युवती) ने देखा कि दूल्हा शराब के नशे में पूरी तरह धुत है। अपने आत्मसम्मान और भविष्य से समझौता न करते हुए युवती ने तत्काल शादी से इनकार कर दिया और पूरी बारात को बैरंग वापस लौटा दिया। इस साहसिक कदम की पूरे अंचल में जमकर सराहना हो रही है।

**पारिवारिक विवादों को सुलझाने में अब समाज को देंगी राह–** बेटी के इस अनुकरणीय निर्णय को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (भापुसे) ने उसे विशेष रूप से एसपी कार्यालय आमंत्रित किया। एसपी ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और टूटने की कगार पर पहुंचे परिवारों व वैवाहिक विवादों के समाधान में इस बेटी की सोच बहुत काम आएगी। इसी उद्देश्य से उन्हें परिवार परामर्श केंद्र, जांजगीर का महिला काउंसलर नियुक्त किया गया है, ताकि वे अन्य महिलाओं और परिवारों को सही राह दिखा सकें।नशे के खिलाफयह कदम समाज के लिए एक बड़ा संदेश सम्मान समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के विरुद्ध इस बेटी का यह साहसिक कदम पूरे समाज के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है। यह निर्णय युवाओं और विशेषकर महिलाओं को अपने अधिकारों, आत्मसम्मान और स्वाभिमान के प्रति जागरूक रहने का एक कड़ा संदेश देता है।पुलिस महकमे के आला अधिकारी रहे मौजूदइस गौरवमयी और भावुक पल के दौरान एसपी कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे, डीएसपी सतरूपा तारम, थाना प्रभारी चांपा निरीक्षक अशोक वैष्णव सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा दी गई इस अनूठी सौगात से निश्चित रूप से समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और नशामुक्त समाज की सोच को एक नई दिशा मिलेगी।

# अल्ट्राटेक रावन सीएसआर केन्द्र द्वारा पर्यावरण मित्र सम्मान समारोह आयोजित

**बलौदाबाजार।** पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में संयंत्र के निकटवर्ती ग्रामों में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने तथा जनसामान्य को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से अल्ट्राटेक रावन सीएसआर केन्द्र द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति समर्पित 20 चयनित व्यक्तियों को पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में ग्राम रावन से दीपक वर्मा, कृष्णा वर्मा एवं संतूराम यादव, ग्राम पड़कीडीह से डिलेश्वर वर्मा एवं खोड़स वर्मा, ग्राम झीपन से वेदप्रकाश वर्मा, ग्राम गुमा से झाकुमार साहू, ग्राम सरसेनी से टिकेश्वर देवांगन, देवव्रत श्रेय, पुनाराम साहू, कोमल रजक एवं दुर्गेश साहू, ग्राम फुलवारी से मेघनाथ साहू एवं आनंद साहू, ग्राम खपराडीह से गजेन्द्र वर्मा एवं कामदेव बघमार, ग्राम चुचरूंगपुर से मधुकर वर्मा एवं धनेश्वर वर्मा, ग्राम नेवारी से रमेश साहू तथा ग्राम तिल्दाबांधा से संतोष वर्मा सम्मानित हुए।

कार्यक्रम में निकटवर्ती ग्रामों के सरपंचों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान प्राप्त व्यक्तियों में से टिकेश्वर देवांगन, गजेन्द्र वर्मा, कृष्णा वर्मा एवं दीपक वर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनका संरक्षण एवं संवर्धन करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय सहित सीएसआर टीम के सदस्य सुरेन्द्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, ताराचंद वर्मा, सुनीता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# आदिवासियों पर बल प्रयोग भाजपा सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण: तारिणी चंद्राकर



**धमतरी।** उदंती.सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के 45 गांवों के हजारों आदिवासी भाई.बहनों द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर धमतरी जिला मुख्यालय में किए गए विशाल जन आंदोलन का जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी ने पूरी तरह समर्थन किया है। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष तारिणी नीलम चंद्राकर ने एक बयान जारी कर सूबे की भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। तारिणी चंद्राकर ने कहा यह बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश मे लम्बे समय तक शासन करने वाले भाजपा के राज मे आज भी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के 45 गांवों में रहने वाले हमारे आदिवासी भाई बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवन जीने को मजबूर हैं। वनांचल के इन गांवों में आवागमन के लिए न तो ठीक से सड़कें हैं और न ही नदी.नालों पर पुल.पुलिया का निर्माण कराया गया है। इसके चलते खासकर बारिश के दिनों में ग्रामीण पूरी दुनिया से कट जाते हैं और गर्भवती माताओं व मरीजों को अस्पताल पहुंचाना नामुमकिन हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों का भारी अभाव है, जिससे आदिवासी बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक दर्जन से अधिक गांवों में आज तक परंपरागत बिजली तक नहीं पहुंच पाई है। ग्रामीण लंबे समय से इन विकास कार्यों की मांग कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन लगातार उनकी उपेक्षा कर रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट घेराव के लिए निकले ग्रामीणों के ऊपर पुलिस द्वारा उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा अपने हक और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से पैदल मार्च कर पहुंचे ग्रामीणों पर इस तरह का बल प्रयोग सरकार की तानाशाही और जनविरोधी नीति को दर्शाता है। वन विभाग विकास कार्यों में अड़ंगा लगाना बंद करे और प्रशासन इन जायज मांगों पर तुरंत लिखित व ठोस कार्रवाई शुरू करे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नें चेतावनी दी है कि यदि टाइगर रिजर्व क्षेत्र के इन गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, मोबाइल नेटवर्क और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर तुरंत धरातल पर काम शुरू नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के इस जल.जंगल.जमीन के संघर्ष में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

# पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग धरसींवा थाने तक निकाला पैदल मार्च







**तिल्दा-नेवरा।** पत्रकारों पर दर्ज किए जा रहे कथित फर्जी मुकदमों, एफआईआर और प्रताड़ना के विरोध में छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ ने मंगलवार को धरसींवा में प्रदर्शन कर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उठाई। महासंघ के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों पत्रकारों ने धरसींवा रेस्ट हाउस में सभा की तथा इसके बाद पैदल मार्च करते हुए धरसींवा थाना पहुंचे। यहां थाना प्रभारी के माध्यम से पुलिस महानिदेशक एवं गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेशभर में लगातार पत्रकारों के खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित हो रही है। संगठन ने आरोप लगाया कि धरसींवा क्षेत्र के एक पत्रकार को एक मामले में सहआरोपी बनाकर जेल भेजा गया, जबकि उन्होंने पूर्व में क्षेत्र में नाबालिग से गैंगरेप के मामले को उजागर किया था। इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर पत्रकार के खिलाफ दर्ज प्रकरण को निरस्त करने की मांग भी ज्ञापन में की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारों पर होने वाली कथित साजिशन कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा एवं निष्पक्ष कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्ररथ गर्व, उपाध्यक्ष पुनीत सोनकर, महासचिव अब्दुल शमीम, सुधीर तंबोली आजाद, प्रेम सोनी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

तिल्दा-नेवरा से जैनेन्द्र बघेल, गोवर्धन यदु, शिव वर्मा, अजय नेताम, हरि मार्कण्डेय, सौरभ यादव, शिवानंद निर्मलकर, अमजद खान, धीरेंद्र जायसवाल, संतोष यदु और राजू वर्मा शामिल हुए। इसके अलावा आरंग से तुकेश्वर टिकू लोधी, खरोरा से लोमश देवांगन तथा सिलयारी के पत्रकार उस्मान सैफी सहित विभिन्न क्षेत्रों के पत्रकारों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

# प्रधान पाठक व संकूल समन्वयको की हुई विभागीय समीक्षा बैठक



**सरायपाली।** विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव और विभागीय समीक्षा हेतु संकुल केंद्र केंजुवां, केना,केन्दुढ़ार, कनकेवा, मंदिर सरायपाली, झिलमिला, कन्या सरायपाली, किसड़ी, कलेण्डा (तोरे), तोषगांव के कुल 66 प्राथमिक और मिडिल स्कूलों के प्रधान पाठकों और संकुल समन्वयकों की आवश्यक बैठक स्वामी विवेकानंद स्कूल केंजुवां में बीईओ टीकम चंद पटेल, बीआरसी देवानंद नायक, प्राचार्य सी एल पुहूप की अध्यक्षता में अपार आई डी हेतु एसओएक्स फार्म जमा करने, आधार विहीन बच्चों के पालकों से संपर्क कर आधार कार्ड बनवाने, ड्राप आउट बच्चों का पता कर शत प्रतिशत स्कूलों में दाखिला दिलाने, व्हीएसके में बचे सभी शिक्षकों का पंजीयन कर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने, सभी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 80 प्रतिशत दर्ज करने, 0-18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की सर्वे की जानकारी,शाला प्रबंधन विकास समिति के गठन की जानकारी और अन्य विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा कर शाला प्रवेश उत्सव में पालकों, शिक्षकों की उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक केंजुवां भोलानाथ के द्वारा किया गया।

# स्टार्टअप मीटअप धमतरी में नवाचार और उद्यमिता पर मंथन



**धमतरी।** जिले में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन तथा स्टार्टअप धमतरी के सहयोग से पहल को.वर्किंग स्पेस, भटगांव रोड में स्टार्टअप मीटअप धमतरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से 50 से अधिक स्टार्टअप संस्थापक, युवा उद्यमी, विद्यार्थी, नवाचारकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उद्यमी एवं एंजेल इन्वेस्टर प्रबल तोमर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय नवाचार, तकनीक और उद्यमिता का युग है। युवाओं को केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी रचनात्मक सोच, कौशल और नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सफल स्टार्टअप की शुरुआत किसी समस्या के प्रभावी समाधान से होती है। यदि युवा स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझकर समाधान आधारित कार्य करेंए तो वे न केवल आर्थिक रूप से सफल हो सकते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन भी ला सकते हैं। तोमर ने स्टार्टअप की अवधारणा से लेकर व्यवसाय मॉडल निर्माण, निवेश आकर्षित करने की रणनीति, बाजार की आवश्यकताओं की समझ तथा निवेशकों की अपेक्षाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि उद्यमिता की यात्रा में आने वाली चुनौतियां और असफलताएं सीखने का अवसर प्रदान करती हैं तथा निरंतर प्रयास, धैर्य और नवाचार ही सफलता का आधार हैं। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न सफल उद्यमियों एवं नवाचारकर्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। विजय वर्मा वीशॉप, श्रीमती सुनीता पंजवानी सैनिटरी पैड यूनिट, हिमांशु ब्लेक बॉक्स एआई, राहुल शेयर ट्रेडिंग तथा रोहन ने अपने उद्यम की स्थापना, चुनौतियों, नवाचार और विकास यात्रा से जुड़े अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इससे उपस्थित युवाओं को उद्यमिता के व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिला। विशेष सत्र में रोहन ने धान उत्पादन एवं राइस मिलिंग सेक्टर की सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान हेतु तकनीक आधारित व्यावसायिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस चर्चा ने कृषि, एग्री.प्रोसेसिंग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े नवाचार आधारित स्टार्टअप की संभावनाओं को लेकर प्रतिभागियों के बीच नई सोच विकसित की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित नेटवर्किंग एवं ओपन डिस्कशन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने स्टार्टअप आइडियाज, व्यवसायिक चुनौतियों और संभावित समाधानों पर खुलकर चर्चा की। इस संवादात्मक मंच ने युवाओं, उद्यमियों, निवेशकों और नवाचारकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा भविष्य में सहयोग की संभावनाओं को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर जिले में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने, युवाओं को मेंटरशिप, नेटवर्किंग एवं नवाचार संबंधी अवसर उपलब्ध कराने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए आयाम विकसित करने पर भी विशेष चर्चा की गई। जिला प्रशासन धमतरी की यह पहल जिले में नवाचार आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप संस्कृति को सशक्त बनाने तथा युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सही मार्गदर्शन, नवाचारी सोच और दृढ़ संकल्प के माध्यम से धमतरी के युवा भी राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं।

# बलिदान दिवस पर डॉ मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि



**भंवरपुर।** भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर द्वारा महान राष्ट्रवादी चिंतक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर देशभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष कर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का कार्य किया। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष रुक्मणि पटेल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मंडल महामंत्री धर्मेन्द्र पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के मंडल मंत्री मोहित लाल नायक, प्राधिकृत अध्यक्ष गण संतराम निषाद , झनक राम चौधरी, नरेश तिवारी, कृष्ण कुमार नायक, अर्जुन चंद्रवंशी, जगदीश पटेल, सोहनलाल पटेल, महिला मोर्चा अध्यक्ष नमिता साहू, बाबूलाल सिदार, युवा मोर्चा अध्यक्ष मंगलु सिदार, युवा मोर्चा महामंत्री प्रकाश सिंह परेश्वर सहित कई जनप्रतिनिधि, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा करने का संकल्प लिया।

# केन्द्र में कार्यशाला एवं किसान सम्मेलन आयोजित



**गरियाबंद।** बारिश शुरू होते ही जिले के किसानों ने खरीफ फसलों की तैयारी कर दी है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद परिसर में जैविक कृषि कार्यशाला एवं किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसानों, कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील कृषकों, विभागीय अधिकारियों एवं जिले के नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों द्वारा जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, जैविक खाद एवं जैव उर्वरकों के उपयोग, प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा जैविक उत्पादों के विपणन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों एवं जैविक खेती के आर्थिक एवं पर्यावरणीय फायदों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। सम्मेलन में उपस्थित कृषि अधिकारियों ने किसानों से जैविक खेती अपनाकर उत्पादन लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद तैयार करने कि अपील की। प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जैविक खेती से उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ बाजार में बेहतर मूल्य भी प्राप्त हो रहा है। इस दौरान जैविक खेती करने वाले कृषकों को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

# युवा रचनाकारों के प्रतिभा को मिला स्थायी मंच, युवोदय काव्य संग्रह का विमोचन

**धमतरी।** जिले में युवा साहित्यकारों की सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए युवा फेस्ट 2026 के अंतर्गत आयोजित साहित्य मंच की चयनित रचनाओं के संकलन युवोदय का मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विमोचन किया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने युवा प्रतिभाओं की उपस्थिति में इस काव्य एवं लेख संग्रह का लोकार्पण किया। गौरतलब है कि कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन में 24 एवं 25 अप्रैल को बीसीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में आयोजित युवा फेस्ट 2026 के दौरान साहित्य के क्षेत्र में युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं अनूठे लिटरेचर कॉर्नर का आयोजन किया गया था। इस मंच पर प्रतिभागियों ने अपनी स्वरचित एवं अप्रकाशित कविताएं लेख और निबंध प्रस्तुत किए थे। प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 जिलों धमतरी, रायपुर, दुर्ग, खैरागढ़, बालोद, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, कांकेर और बस्तर के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 69 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई, जबकि सभी प्रतिभागियों को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ हीरा महावर, श्याम अग्रवाल, डॉ सरिता दोशी और श्रीमती कामिनी कौशिक द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत रचनाओं का संकलन कर तैयार किए गए युवोदय संग्रह में युवा साहित्यकारों की कविताओं, लेखों और विचारों को स्थान दिया गया है। विमोचन समारोह में निर्णायक मंडल के सदस्य, प्रतिभागी विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवोदय के प्रधान संपादक एवं राजस्व निरीक्षक दीपचंद भारती ने किया। इस अवसर पर खैरागढ़ की कुमारी पायल रजक, धमतरी की कुमारी माधुरी मरकाम एवं मगरलोड की कुमारी कुंती साहू ने अपनी स्वरचित रचनाओं का प्रभावशाली वाचन कर उपस्थितजनों की सराहना प्राप्त की। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि युवा पीढ़ी के भीतर अपार रचनात्मक क्षमता मौजूद है। प्रशासन का प्रयास केवल प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि उनकी अभिव्यक्तियों को स्थायी पहचान और मंच उपलब्ध कराना है। युवोदय जैसे संकलन युवा लेखकों को साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे तथा उनकी प्रतिभा को व्यापक समाज तक पहुंचाएंगे। निर्णायक मंडल सदस्य डॉ हीरा महावर ने कहा कि साहित्य समाज की संवेदनाओं और विचारों का सशक्त माध्यम है। युवा फेस्ट के दौरान प्रस्तुत रचनाओं में नवीन सोच, सामाजिक सरोकार और भाषा की सशक्त अभिव्यक्ति दिखाई दी। युवोदय केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि युवा रचनाकारों के सपनों, संघर्षों और सृजनशीलता का दस्तावेज है।

## संक्षिप्त समाचार

### सुंदर नगर में जलभराव की समस्या दूर करने महापौर ने किया निरीक्षण, नई पुलिया निर्माण के दिए निर्देश

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के सुंदर नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए महापौर मीनल चौबे ने मंगलवार को काशी होटल के पास स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया और समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पुलिया का निर्माण शीघ्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर ने कहा कि बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थानीय नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्यवाही कर नई पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान नगर निगम जोन-5 के अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके, उप अभियंता प्राची चौबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा और स्वच्छता निरीक्षक दिलीप साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के मौसम में शहर के किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं।

### टाटीबंध सर्विस रोड पर जलभराव की समस्या का महापौर ने किया निरीक्षण

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए महापौर मीनल चौबे लगातार मैदानी निरीक्षण कर रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को महापौर ने नगर निगम जोन क्रमांक-8 अंतर्गत टाटीबंध स्थित श्री राम स्टील और केडिया इंडस्ट्रीज के पास सर्विस रोड का निरीक्षण कर जलभराव की समस्या का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के लेवल में अंतर होने के कारण बारिश के दौरान सर्विस रोड पर पानी भर जाता है। इसके अलावा कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त हैं तथा उनकी क्षमता भी पर्याप्त नहीं है, जिससे जल निकासी प्रभावित होती है और जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। महापौर मीनल चौबे ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नेशनल हाईवे की तकनीकी टीम के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना आवश्यक है।

### नव्या मलिक ड्रग्स केस में ईडी की एंट्री, मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से होगी जांच

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के बहुचर्चित नव्या मलिक ड्रग्स मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी एंट्री हो गई है। ईडी ने मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू करते हुए रायपुर पुलिस से चार्जशीट समेत अन्य अहम दस्तावेज मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार, पुलिस जांच में यह बात सामने आई थी कि ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क के संचालन में डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा अवैध कारोबार से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी आशंका जताई गई थी, जिसके बाद अब ईडी ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस जांच में करीब 850 हाई-प्रोफाइल लोगों के इस कथित नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। इनमें होटल, पब और क्लब व्यवसाय से जुड़े कुछ लोगों के नाम भी जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। हालांकि, किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि ईडी संदिग्ध बैंक खातों, डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म और संभावित काले धन के प्रवाह की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित ड्रग्स कारोबार से अर्जित धन को किन-किन माध्यमों से खपाया गया। ईडी की एंट्री के बाद इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच और व्यापक हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जांच के दौरान कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

### मोवा अंडरब्रिज में सीसी रोड के निर्माण से पानी भरने की समस्या हल हुई

**रायपुर।** लंबे अर्से से मोवा ओव्हरब्रिज में लग रहे जाम से लोगों को रोज आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समस्या के विकल्प के रूप में राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा अंडरब्रिज का निर्माण किया गया था। वर्षाकाल में अंडरब्रिज में पानी भरने की वजह से वाहन चालकों की आवाजाही प्रभावित होती थी। विगत लगभग दो महीनों के बाद हाल ही में अंडरब्रिज यातायात के लिए खोला गया है। सीसी रोड का निर्माण करवाने के साथ ही सीसी रोड के दोनों ओर गहरी नाली का निर्माण करवाया गया है। हाल ही में हुई अल्पकालीन वर्षा से सीसी रोड में पानी का भराव नहीं हुआ है ।

**अमित शाह से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय**

# छग में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के स्थापना का प्रस्ताव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ को आयुर्वेद चिकित्सा, अनुसंधान और उच्च शिक्षा के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास, जनकल्याण और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ड्डू) की स्थापना का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी थे। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को बताया कि वर्तमान में नई दिल्ली और पणजी में संचालित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान देश में आयुर्वेद आधारित चिकित्सा, अनुसंधान और नवाचार के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित हो चुके हैं। इन संस्थानों ने आधुनिक विज्ञान और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है तथा बड़ी संख्या में दक्ष आयुर्वेद चिकित्सक और शोधकर्ता तैयार किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों और औषधीय संपदा से समृद्ध राज्य है। प्रदेश का बड़ा हिस्सा वनाच्छादित है, जहां अनेक दुर्लभ औषधीय वनस्पतियां और जड़ी-बूटियां प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हैं। जनजातीय अंचलों में पारंपरिक औषधीय ज्ञान की समृद्ध विरासत भी मौजूद है। ऐसे में यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना आयुर्वेद चिकित्सा और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि ड्डू की स्थापना से प्रदेशवासियों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी, वहीं युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। इससे आयुर्वेद आधारित चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि संस्थान का लाभ केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मध्य भारत के व्यापक क्षेत्र को मिलेगा। पड़ोसी राज्यों के नागरिकों को भी बेहतर आयुर्वेदिक उपचार और शोध सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। श्री साय ने केंद्रीय बजट 2026 में देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना की घोषणा का उल्लेख करते हुए आग्रह किया कि इनमें से एक संस्थान छत्तीसगढ़ को प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार, अनुसंधान और ज्ञान आधारित विकास को भी नई गति देगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना विस्तार और जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी केंद्रीय गृह मंत्री को दी। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने राज्य में विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

### बस्तर में विकास और जनविश्वास का मजबूत हो रहा है आधार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं संचार सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सेवा केंद्रों एवं जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से लोगों को शासकीय सेवाएं उनके घर के निकट उपलब्ध कराई जा रही हैं।

# सीएम के निर्देश पर अवैध खनन के खिलाफ सख्त अभियान किया

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार तेज की जा रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि खनिज संपदा के अवैध दोहन तथा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने जैसी गतिविधियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी कड़ी में संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म तथा केंद्रीय खनि उड़नदस्ता प्रभारी श्री रजत बंसल के निर्देशन में केंद्रीय खनि उड़नदस्ता और संबंधित जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों ने 22 जून को मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर और सरगुजा जिलों में व्यापक जांच अभियान चलाया। शिकायतों के आधार पर की गई इस कार्रवाई में विभिन्न स्थानों पर खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त कुल सात वाहनों को जप्त किया गया।जांच के दौरान मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के बरबसपुर क्षेत्र में निम्न श्रेणी चूना पत्थर से लदे दो हाइवा, सूरजपुर जिले के लटोरी में रेत से भरा एक हाइवा तथा खड़गवां में एक टिप्पर पकड़ा गया। वहीं सरगुजा जिले के सकालो और अंबिकापुर क्षेत्र में रेत परिवहन कर रहे तीन टिप्परों पर कार्रवाई की गई। सभी वाहनों को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत जप्त कर संबंधित थानों में सुरक्षित रखा गया है।कार्रवाई के दौरान अंबिकापुर के गांधी चौक क्षेत्र में एक गंभीर घटना भी सामने आई। जांच कर रही टीम के साथ वाहन मालिक, चालक और उनके सहयोगियों द्वारा कथित रूप से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौच और धमकी दी गई तथा शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत थाना गांधीनगर में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।खनिज विभाग ने दोहराया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि कानून का उल्लंघन करने, अधिकारियों को धमकाने अथवा अवैध गतिविधियों को संरक्षण देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

### उरला में अवैध शराब बिक्री करते युवक को पुलिस ने दबोचा

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफपुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 31 पौवा देशी शराब और बिक्री से प्राप्त नकदी बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले के निर्देश पर अवैध शराब के कारोबार और तस्करी पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत 22 जून को सूचना मिली कि उरला स्थित शराब भट्ठी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना उरला पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा।

**सहकारिता सप्ताह को जनआंदोलन बनाने की तैयारी**

# राज्य स्तरीय आयोजन को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने ली समीक्षा बैठक......

- 29 जून से 6 जुलाई तक पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा सहकारिता सप्ताह

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले सहकारिता सप्ताह की तैयारियों को लेकर नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने विभागीय अधिकारियों तथा विभिन्न सहकारी संस्थाओं एवं महासंघों के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई पहचान मिली है। सहकारिता आज किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सहकारिता सप्ताह केवल औपचारिक आयोजन न होकर जनभागीदारी का अभियान बने। इसके लिए राज्य के सभी जिलों, विकासखंडों और सहकारी समितियों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। श्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों में जागरूकता, सहभागिता और नवाचार को प्राथमिकता दी जाए। लोगों को सहकारी योजनाओं, उपलब्धियों और लाभों की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारिता से जुड़ सकें।



# सुकमा के सुदूर अंचलों में गूंजी शिक्षा की गूंज

- जगरगुंडा में भव्य शाला प्रवेशोत्सव, शासन की योजनाओं का मिला सीधा लाभ

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित रहे व सुदूर विकासखंड कोंटा अंतर्गत जगरगुंडा में संकुल स्तरीय 'शाला प्रवेशोत्सव' का अभूतपूर्व व उत्साहजनक आयोजन किया गया। जगरगुंडा, सिलगेर, मिसिगुड़ा, मिलमपल्ली एवं बंजेपल्ली जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रशासन का यह प्रयास बेहद सराहनीय रहा। कार्यक्रम में पहली बार स्कूल की दहलीज पर कदम रखने वाले नवप्रवेशी नन्हे-मुन्नों का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीना स्वागत किया गया। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाने वाले मेधावी छात्रों को भी मंच पर सम्मानित किया गया, जो क्षेत्र में बदलते शैक्षणिक परिवेश और प्रशासन की मेहनत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। शासन की जनक ल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को राज्य सरकार की योजना के तहत निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, पेन और गणवेश (यूनिफॉर्म) का वितरण किया गया। शिक्षा सत्र के पहले ही दिन सारी जरूरी शिक्षण सामग्री हाथों में पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और स्थानीय अभिभावकों में प्रशासन के प्रति भारी उत्साह व विश्वास देखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू सहित विशिष्ट अतिथियों, स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने बच्चों को शासन की इन सुविधाओं का लाभ उठाकर मन लगाकर पढ़ने तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस गरिमामयी अवसर पर जन-प्रतिनिधियों ने प्रशासन की पीठ थपथपाते हुए कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और राज्य सरकार का यह अभियान हर बच्चे को उसका यह बुनियादी अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

### 24 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, नाबालिग सहित दो आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के क्रिकेट मैदान में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सनसनीखेज खुलासा करते हुए एक आरोपी और विधि के साथ संघर्षरत एक बालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन के साथ चोरी की दो पल्सर बाइक भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, 21 जून को डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित क्रिकेट मैदान के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा खमतराई थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मृतक की पहचान शहीद नगर, खमतराई निवासी रूपेश सारथी (35 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को सक्रिय किया और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गोवर्धन नगर निवासी शिवा सोनानी उर्फ तुषार (20 वर्ष) को हिरासत में लिया।

# तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं से कृषि बनेगी अधिक लाभकारी एवं आत्मनिर्भर



रायपुर/ संवाददाता

लखनपुर (अंबिकापुर) स्थित जुनाडीह मल्टीप्लेक्स में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को सुना। कार्यक्रम में क्षेत्र के कृषक, जनप्रतिनिधि, कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं और कृषि में नवाचार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज खेती केवल परंपरागत गतिविधि नहीं रह गई है, बल्कि तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों के माध्यम से इसे आधुनिक व्यवसाय का स्वरूप दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को बीज, सिंचाई, उर्वरक, कृषि यंत्रों और बाजार की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आय दोनों में वृद्धि हो। श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन जैसी पहलें किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार है। कार्यक्रम में किसानों ने भी खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे तथा कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा की। मंत्री श्री अग्रवाल ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान और कृषि विकास के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारा संकल्प है कि तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ में कृषि को और अधिक समृद्ध, आधुनिक एवं आत्मनिर्भर बनाया जाए। किसान समृद्ध होंगे तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उपस्थित किसानों ने ऐसे संवाद कार्यक्रमों को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

**मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक संपन्न**

# कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समन्वय सह निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समन्वय सह निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में जनजाति समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग को संस्थागत विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता के संबंध में चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने प्रदेश के जनजाति समूहों, अन्य वंचित वर्गों एवं गरीब युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए है। बैठक में पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य ईलाकों में व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वहां के रहवासियों को सशक्त बनाने एवं उनके विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण के जरिये जानकारी दी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैरलाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी गठन करने का निर्णय लिया गया है। यह संस्था अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं एवं महिलाओं तथा तृतीय लिंग के संस्थागत विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता माध्यम से उन्हें सशक्त बनायेगा एवं उनके सर्वांगिण विकास के लिए काम करेगा। बैठक में पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातिय क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास के लिए कौशल विकास योजनाओं को लागू करने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार किया जाएगा। युवाओं को ट्रेनिंग और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं जाएंगे। युवाओं का उनकी रूचि और बाजार की मांग के अनुसार विभिन्न टेड्रों में आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि संस्था द्वारा केवल कौशल विकास ही नहीं बल्कि प्रशिक्षण के तुरंत बाद युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। ताकि उनकी आमदनी में वृद्धि हो सके। इस कार्यक्रम का विशेष जोर स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों, ग्रामीण युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों को मुख्य धारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ना है।

# संपादकीय

## एआई और फिंगरप्रिंट सिस्टम होने के बाद भी जांच कमजोर, न्याय व्यवस्था पर सवाल

आधुनिक तकनीक और एआई आधारित जांच उपकरणों के बावजूद अपराध मामलों में दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। सवाल यह है कि क्या तकनीक का सही इस्तेमाल हो रहा है या न्याय की राह में अब भी पुरानी बाधाएं कायम हैं? किसी भी आपराधिक मामले में समय पर न्याय तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और उसमें गंभीरता एवं निष्पक्षता हो। आज के दौर में जांच-पड़ताल में तकनीक की भी अहम भूमिका है। खासकर कृत्रिम मेधा यानी एआई के तहत ऐसे उपकरण विकसित किए जा चुके हैं, जिनकी मदद से अपराधियों की धर-पकड़ और साक्ष्य जुटाना काफी आसान हो गया है।मगर सवाल है कि देश में जांच एजेंसियां क्या इस तरह की तकनीक का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल कर रही हैं या नहीं? केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हाल में दी गई जानकारी से यही लगता है कि जांच प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग अभी प्रारंभिक स्तर पर है। गृह मंत्री ने कहा कि आपराधिक मामलों में राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली का अभी केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उपयोग अपराधियों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इसके जरिए अपराध स्थलों से एकत्र किए गए नमूनों और साक्ष्यों का डेटाबेस तैयार किया जा सकता है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आखिर जांच एजेंसियां इस पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दे रही हैं।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि संज्ञेय अपराधों से जुड़े मामलों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दोषसिद्धि दर वर्ष 2018 और 2019 में करीब 66 प्रतिशत थी। हालांकि उसके बाद से जांच एजेंसियों को कई तरह की तकनीकों से लैस किया गया है, लेकिन दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आया है।विशेषज्ञों के मुताबिक दोषसिद्धि दर कम होने के प्रमुख कारणों में जांच प्रक्रिया का धीमा होना, मामलों की गंभीरता को नजरअंदाज करना और साक्ष्यों की कमी शामिल है। कई बार अपराधी इसलिए बरी हो जाते हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष आरोपों को सबूतों के आधार पर साबित करने में नाकाम रहता है। यह अफसोसनाक है कि तकनीकी सुविधाओं के बावजूद जांच एजेंसियां वैज्ञानिक पहलुओं का ध्यान रखकर जांच नहीं करतीं, जिससे न्याय की उम्मीद भी धुंधली पड़ जाती है।ऐसे में जरूरी है कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर अलग से एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए, जो इस बात पर नजर रखे कि जांच में तकनीक का कितना इस्तेमाल किया जा रहा है।राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली की बात की जाए तो इसका इस्तेमाल केवल अपराधियों को खोजने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब अपराध स्थल से एकत्र फिंगरप्रिंट के माध्यम से व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए।

**असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क।**

# सौ वर्षों से राष्ट्रसेवा में लीन आरएसएस का पंजीकरण प्रमाणपत्र मांग रहे कांग्रेस नेताओं से कुछ सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है। यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है। असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। गुरु दक्षिणा को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

बहरहाल, जिस संगठन के स्वयंसेवक प्रतिदिन यही मंत्र जपते हों, तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें ना रहें, उससे अपना पंजीकरण कराने को कहना कांग्रेस नेताओं की राजनीतिक हताशा ही नहीं, बल्कि उनकी बेवकूफी भी प्रदर्शित करता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# शादी अब बंधन या विकल्प? मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट ने क्यों बढ़ाई 'परिवार' की चिंता

(ज्योति सिडाना)

असमानता, बदलती जीवनशैली और आर्थिक स्वतंत्रता के बीच विवाह और परिवार की पारंपरिक परिभाषा तेजी से बदल रही है, जिससे रिश्तों की स्थिरता और भविष्य की सामाजिक संरचना पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। विवाह और परिवार को समाज की नींव माना जाता है। भारतीय संस्कृति में विवाह को एक संस्कार की संज्ञा दी गई है, मगर भौतिकवाद और उपभोक्तावाद ने इसके स्वरूप और अर्थ दोनों को बदल दिया है। आज बाजारवाद इतना हावी हो गया है कि सामाजिक संबंध केवल दिखावे तक सिमट कर रह गए हैं। डिजिटल तकनीक के इस दौर में आभासी संसार अस्तित्व में आ गया है, जो हकीकत की दुनिया से कोसों दूर है, जहां सब कुछ दिखावटी और संवेदनहीन है।

दिखावे के लिए विवाह समारोहों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं और इस पवित्र बंधन को भी बाजार का हिस्सा बना दिया गया है। इसे समाज में प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है, मगर इस होड़ में रिश्तों की आत्मीयता कहीं पीछे छूट गई है। देश में आए दिन सामने आने वाले घरेलू हिंसा, आत्महत्या के लिए मजबूर करने और तलाक के मामलों से पता चलता है कि लोगों की रिश्ते निभाने की इच्छाशक्ति कमजोर पड़ती जा रही है।

हाल के दिनों में घरेलू हिंसा के कई मामले चर्चा में रहे, जिनमें कहीं चरित्र पर संदेह तो कहीं दहेज की मांग ने जिंदगियां लील लीं। जीवन में पैसा जरूरी है, लेकिन क्या इतना जरूरी है कि किसी की हत्या कर दी जाए या आत्महत्या करने के लिए बाध्य कर दिया जाए। सरकार की ओर से महिला सशक्तीकरण को लेकर कई अभियान और योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका अपेक्षित प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। महिलाओं में शिक्षा की दर जरूर बढ़ी है, लेकिन उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हाल ही में आई मॉर्गन स्टैनली की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक 25 से 44 वर्ष तक की लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं अविवाहित या बच्चों के बिना रहने को प्राथमिकता देंगी। आने वाले दिनों में लड़कियां अपने करियर, पढ़ाई और निजी खुशियों को तुलनात्मक रूप से अधिक महत्व देना पसंद करेंगी। एक समय था जब विवाह को जीवन का जरूरी एवं महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता था, लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली में विवाह करना या न करना एक व्यक्तिगत फैसला बन गया है। महिलाएं अब ऐसे रिश्तों से समझौता नहीं करना चाहतीं जहां उन्हें समानता न मिले। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि इसके पीछे अनेक कारण जिम्मेदार रहे हैं।

सदियों से परिवार के भीतर ही महिलाओं को असमानता और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षित होने के बाद भी महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में कोई विशेष अंतर नहीं आया है। हालांकि समाज के एक वर्ग में उच्च शिक्षा और आधुनिकता से परिवारों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। शहरी और कुछ शिक्षित परिवारों में बेटियों को बेटों के समान शिक्षा और अवसर दिए जा रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सुधार की जरूरत है।

सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 30-40 की उम्र में महिलाओं के तलाक लेने और दोबारा शादी न करने का फैसला लेने की संभावना अधिक होती है। आर्थिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत प्राथमिकताएं भी इसकी वजह बन रही हैं। इससे संकेत मिलते हैं कि भविष्य में महिलाओं की जीवनशैली एवं परिवार के प्रति दृष्टिकोण में काफी बदलाव देखने को मिल सकता है।

कुछ सामाजिक विज्ञानियों का मानना है कि परिवार में महिलाओं को सम्मान और बराबरी का दर्जा नहीं मिलने से उनके भीतर हीन भावना पैदा होना स्वाभाविक है। यह स्थिति पारिवारिक परिवेश के बाहर महिला के जीवन की अपेक्षित संभावनाओं को क्षीण कर देती है। संभवतः इसी स्थिति के कारण उभरने वाले खतरों और चुनौतियों को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने बीते मार्च में एक अहम फैसले में स्पष्ट किया कि पत्नी नौकरानी नहीं, बल्कि जीवनसाथी है। घरेलू काम करना सिर्फ पत्नी की जिम्मेदारी नहीं है और घर का काम न करना तलाक का आधार नहीं हो सकता।

अगर कोई महिला अकेले अपना जीवन व्यतीत करना चाहती है, तो समाज में उसकी गरिमा और सम्मान को किसी तरह की चोट नहीं पहुंचनी चाहिए। हमें एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां विवाह किसी महिला की मजबूरी या उसकी पहचान का अंत न हो, बल्कि दो बराबर के इंसानों का स्वतंत्र फैसला हो। विवाह और परिवार के भीतर छिपी अधिकारों एवं भागीदारी की असमानता को खत्म कर बराबरी का संतुलन कायम करना होगा।

# दृश्यता का युग और अस्तित्व का संकट

(विजय सिंह अधिकारी)

**हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां दृश्यता खुद एक मूल्य बन गई है, और अस्तित्व धीरे-धीरे 'होने' से हटकर 'दिखाई दे' की शर्त पर टिक गया है। अब केवल उपस्थित होना पर्याप्त नहीं। व्यक्ति, विचार और रचना- तीनों को निरंतर प्रमाणित होना पड़ता है। यह केवल सामाजिक परिवर्तन नहीं, बल्कि आधुनिक चेतना की एक गहरी पुनर्रचना है, जहां 'होना' अब 'दृश्य होना' बनता जा रहा है। यह परिवर्तन केवल बाहरी नहीं, बल्कि गहराई में जाकर यह तय करता है कि मनुष्य खुद को कैसे समझे। पहले पहचान भीतर से बनती थी और धीरे-धीरे समाज में प्रकट होती थी। अब पहचान पहले दिखाई देती है और धीरे-धीरे भीतर बसने लगती है। उदाहरण के लिए, किसी विद्यार्थी की उपलब्धि अब केवल उसके ज्ञान का प्रमाण नहीं रहती, बल्कि उसके 'प्रोफाइल' की वृद्धि का माध्यम बन जाती है।**

इसी प्रकार किसी लेखक की रचना पहले पढ़ी नहीं जाती, बल्कि पहले 'शेयर' और 'रीच' के आंकड़ों में देखी जाती है। जीवन एक सतत प्रस्तुति बन गया है इस परिवर्तन ने मनुष्य के आत्मबोध को भीतर से बाहर की ओर मोड़ दिया है। जीवन अब एक आंतरिक यात्रा नहीं, बल्कि एक सतत प्रस्तुति बन गया है, जहां व्यक्ति जीता है और उसी क्षण खुद को देखता भी है। यह स्थिति आधुनिक मनोविज्ञान में 'सेल्फ आब्जेक्टिफिकेशन' जैसी प्रवृत्ति से जुड़ती है, जहां व्यक्ति स्वयं को एक दर्शनीय वस्तु की तरह देखने लगता है।

सोशल मीडिया इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। एक साधारण अनुभव, जैसे किसी मित्र से मिलना, किसी स्थान की यात्रा, या किसी भोजन का स्वाद- अब अपने मूल रूप में नहीं रहता। उसका पहले एक ढांचा बनता है, फिर 'पोस्ट', फिर उसे देखने वालों का आंकड़ा।

अनुभव का मौन पक्ष पीछे छूट जाता है। यहां एक सूक्ष्म विडंबना जन्म लेती है- जितना अधिक जीवन साझा होता है, उतना ही उसका मौन क्षीण होता जाता है। कभी चिंतन और आत्मनिर्माण की प्रयोगशाला रहा एकांत अब खालीपन या 'अनुत्पादक समय' लगने लगा है। परिणामस्वरूप मनुष्य के भीतर एक विभाजन गहरा होता है- एक अनुभव करने वाला स्व और दूसरा अनुभव को संपादित करने वाला स्व।

इसी प्रवृत्ति का विस्तार कला, साहित्य और विचार-जगत तक पहुंचता है, जहां रचना का मूल्य क्रमशः उसकी दृश्यता, पहुंच और ब्रांड-छवि से निर्धारित होने लगता है। आज यह असामान्य नहीं कि कोई कविता अपने अर्थ से पहले इंस्टाग्राम-स्वरूप में पहचानी जाए, या कोई चित्र अपनी कलात्मक गहराई से पहले 'वायरल शेयर' से जाना जाए।

### लेखक और कलाकार केवल सर्जक नहीं

इस स्थिति में लेखक और कलाकार केवल सर्जक नहीं रहते, बल्कि अपनी ही दृश्यता के प्रबंधक बन जाते हैं। कई समकालीन लेखक अब अपनी लोक-छवि और डिजिटल उपस्थिति को ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानने लगे हैं। इस बदलाव ने रचना और रचयिता के संबंध को उलट दिया है। जहां पहले रचना व्यक्ति को परिभाषित करती थी, अब व्यक्ति रचना की दृश्यता को परिभाषित करता है।

इसके समांतर, प्रकृति और श्रम एक भिन्न अस्तित्व-तर्क प्रस्तुत करते हैं। वृक्ष बिना किसी दर्शक के फल देता है। यहां उत्पादन और प्रदर्शन अलग हैं। नदी बिना किसी स्वीकृति के बहती है और मिट्टी बिना किसी प्रशंसा के जीवन को धारण करती है। हिमालय की बर्फ, जो किसी 'दृश्यता-तंत्र' का हिस्सा नहीं, फिर भी नदियों का स्रोत है- यह मौन उत्पादन का उदाहरण है। किसान का जीवन मौसम, बीज और मिट्टी के साथ एक गहरा संवाद करता है, पर उसका श्रम अंतिम रूप में केवल 'मंडी मूल्य' में दिखाई देता है। दिल्ली या मुंबई की मेज पर जो रोटी रखी है, वह दृश्य है, लेकिन उसके पीछे का श्रम अदृश्य है। इसी प्रकार, निर्माण स्थल पर काम करने वाला श्रमिक उस इमारत का निर्माता है, पर इमारत की पहचान में वह अनुपस्थित है। यह 'अदृश्य श्रम' आधुनिक सभ्यता की संरचना का आधार है।

### महात्मा गांधी ने सत्य को साधना बनाया

महात्मा गांधी ने सार्वजनिक जीवन को आत्म-प्रदर्शन नहीं, बल्कि सत्य की साधना बनाया, जहां चरखा केवल प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का नैतिक संकेत था। भगत सिंह ने अपने लेखों में स्पष्ट किया कि व्यक्ति क्षणिक है, पर विचार स्थायी। इसलिए उन्होंने अपने जीवन को भी विचार के विस्तार में बदल दिया। इसी संदर्भ में आधुनिक गुमनाम कलाकार बैंक्सी, एलेना फेरांटे और थामस पिंचन एक अलग प्रकार की चुनौती प्रस्तुत करते हैं। बैंक्सी की कला इसलिए प्रभावशाली है, क्योंकि वह हस्ताक्षर से मुक्त है। उसका अर्थ व्यक्ति से नहीं, स्थान और संदर्भ से जन्म लेता है। एलेना फेरांटे का साहित्य यह प्रश्न उठाता है कि क्या लेखक का जीवन उसके लेखन से अधिक महत्त्वपूर्ण है। थामस पिंचन की चुप्पी साहित्य में इस तथ्य को उजागर करती है कि अनुपस्थिति भी एक संरचना बन सकती है। मगर यह प्रतिरोध भी स्थिर नहीं रहता। दृश्यता की संस्थाएं- मीडिया, बाजार और जन-जिज्ञासा गुमनामी को भी एक नई कथा में बदल देती हैं। उदाहरण के लिए, किसी अनाम कलाकार की कृति जितनी रहस्यमयी होती है, उतनी ही तेजी से वह मीडिया-चर्चा का विषय बन जाती है। इस प्रकार गुमनामी भी आखिर दृश्यता के तंत्र में फिर समाहित हो जाती है। अनुपस्थिति भी एक प्रकार की उपस्थिति बन जाती है।प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य उस अदृश्य श्रम, मौन सृजन और बिना प्रत्याशा के दिए जाने वाले योगदान को देखने की दृष्टि विकसित कर पाया है, जिस पर उसका पूरा दृश्य संसार टिका हुआ है, या उसकी दृष्टि केवल उसी तक सीमित हो गई है, जो दिखता है, मापा जा सकता है और साझा किया जा सकता है। यही वह गहरा तनाव है जिसमें आधुनिक सभ्यता स्थित है- दृश्यता और मौन के बीच, प्रदर्शन और अस्तित्व के बीच, तथा पहचान और विसर्जन के बीच एक निरंतर खिंचा हुआ, लेकिन जीवित संतुलन।

# दूध नदी की रक्षा हेतु जन सहयोग तथा गायत्री परिवार का प्रशंसनीय सहयोग

**कांकेर।** कांकेर जिले की जीवन दाहिनी दूर नदी की रक्षा हेतु अब गायत्री परिवार भी सक्रिय हुआ है और जन सहयोग तथा गायत्री परिवार में हवन पूजन द्वारा मातृ-स्वरूपा दूध नदी की रक्षा हेतु सहयोग आज शहर में चर्चा का विषय हो रहा है। जीवन दाहिनी माता की गोद में बैठकर आज गायत्री परिवार तथा जन सहयोग के सदस्यों ने प्रातः काल से ही हवन शुरू कर दिया विधि विधान सहित पूजा अर्चना चलने लगी और वातावरण पवित्र हो गया, गायत्री परिवार प्रमुख द्वारा नदियों की महिमा का उल्लेख किया गया तथा हर प्रकार के जल स्रोतों की रक्षा हेतु आव्हान किया गया। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशहरा पर्व मनाया जा रहा है। आज के दिन जो संकल्प लिए जाएंगे निश्चित रूप से पूर्ण होंगे। जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने एक बार फिर आसपास के रहवासियों से कचरा नहीं डालने की अपील की और दुख जताया कि हम लोगों के सारे प्रयास उस समय असफल हो जाते हैं, जब आप लोग दुकान तथा घर का कचरा नगर पालिका की गाड़ी में नहीं डालकर सीधे दूध नदी में फेंक देते हैं। कृपया दूध नदी की सफ़ाई का पुण्य लाभ उठाने हेतु कुछ नहीं तो इतना ही कीजिए कि कचरा मत डालिए। नदी की सफ़ाई से सर्वाधिक लाभ तो आप लोगों को ही होगा क्योंकि आप लोग इसके किनारे ही रहते हैं या दुकान चलाते हैं। पप्पू मोटवानी ने गायत्री परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि अन्य धार्मिक संस्थाएं भी जीवन रेखा दूध नदी की रक्षा हेतु आध्यात्मिक गतिविधियां प्रदर्शित करने आने वाले दिनों में आती रहेंगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय ने भी यहां आकर पूजा आराधना करने की इच्छा प्रकट की है तथा जिले की जीवन रेखा की रक्षा का संकल्प लिया है। आज के कार्यक्रम में गायत्री परिवार की ओर से मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी बिस लाल कोड़ोपी, सहायक प्रबंध ट्रस्टी जगदीश साहू, अवध साहू, रामनारायण सिंह ठाकुर, युवा प्रकोष्ठ से अशोक कुमार नाग, महेंद्र नेताम, अर्चना साहू, देवकरण जैन आदि ने सक्रिय भाग लिया जन सहयोग संस्था की ओर से अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा, भूतपूर्व सैनिक टी के जैन, धर्मेंद्र देव, वरिष्ठतम पत्रकार सीतारामजी शर्मा, पर्यावरण प्रबोध मंच के अध्यक्ष मोहन सेनापति, प्रवीण गुप्ता, शैलेंद्र देहारी, अजय पांडे, पप्पू साहू, प्रभु साहू, संजय मोटवानी, मनोज दुबे, अमृत जवरानी, आशुतोष देव आदि नौजवानों ने कई घंटे पसीना बहा कर दूध नदी संबंधित कार्यों में उल्लेखनीय सहयोग दिया। जीवन रेखा दूध नदी के सम्मान तथा स्वच्छता अभियान हेतु आध्यात्मिक संस्थाओं का सहयोग अब जन- सहयोग को मिल रहा है इस बात से श्रद्धालु जनता में हर्ष है।

# नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**कांकेर।** कांकेर नगर पालिका परिषद कांकेर में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों में से सफाई कर्मचारियों ने आज जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा है। उक्त आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने आज एक प्रेस बयान जारी कर दिया। वाल्मीक ने बताया कि कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से कर्मचारियों के ई एसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) के परिचयपत्रों में त्रुटि सुधारने और कर्मचारियों के आश्रितों का नाम को जोड़े जाने की मांग प्रमुख है। यूनियन नेता ने ठेकेदार पर आरोप लगाया कि विगत 6 माह से ठेकेदार और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कर्मचारियों के ई एसआई कार्ड में सुधार कर आश्रितों के नाम जोड़े जाने के लिए निवेदन करते रहे लेकिन अधिकारी एवं ठेकेदार कर्मचारियों की बात को अनदेखी करते रहे। जिसके कारण आज जिलाधीश को ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया गया है। वाल्मीक का कहना है कि ई एसआई कार्ड में त्रुटियां और आश्रितों का नाम नहीं होने के कारण इसके तहत मिलने वाले लाभ से कर्मचारी वंचित हो रहे है। मुफ्त में कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों का चिकित्सा, दवाई ई एसआई से मिलना है। लेकिन ठेकेदार और सीएमओ की उदासीन रुख के कारण कर्मचारियों को अब तक यह सुविधा हासिल नहीं था। यूनियन के माध्यम से यह मांग किए जाने के बाद ठेकेदार कर्मचारियों को ई एसआई कार्ड वितरित किया है। सभी ई एसआई कार्ड में त्रुटियां और असंपूर्ण है।

# बाड़ी में गांजे की खेती करने वाला आरोपी गिरफ्तार, कुल 2.771 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त

**कांकेर।** उत्तर बस्तर कांकेर के अंतर्गत अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'उजियरा अभियान' के तहत आमाबेड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी और अवैध खेती के मामले में एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अपने घर के पीछे बाड़ी में अवैध रूप से गांजे का पौधा लगाकर उसकी परवरिश कर रहा था और साथ ही घर के भीतर से गांजे की अवैध बिक्री का कारोबार भी संचालित कर रहा था। पुलिस ने मौके से जीवित गांजे के पौधे सहित भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 42,600 रुपये आंकी गई है। यह पूरी कार्रवाई कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा (भा.पु.से.) के सख्त निर्देश पर अमल में लाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतगढ़ आशीष बंछोर के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अंतगढ़ शुभम तिवारी के कुशल पर्यवेक्षण में आमाबेड़ा पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर रेड कार्रवाई के लिए रवाना की गई थी। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताए स्थान ग्राम सोड़े के मंडलीपारा में दबिश दी। वहाँ घेराबंदी कर संदेही व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम टिबलूराम पटेल पिता अंतराम पटेल (उम्र 42 वर्ष, जाति मरार) निवासी सोड़े मंडलीपारा, थाना आमाबेड़ा बताया। जब पुलिस टीम द्वारा उसके घर और बाड़ी की सघन तलाशी ली गई, तो बाड़ी में लगा हुआ 01 नग जीवित गांजे का पौधा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 1.090 किलोग्राम पाया गया। इसके साथ ही घर के कमरे की तलाशी लेने पर दो पारदर्शी पॉलीथिन में भरकर रखी गई वनस्पतिक मादक पदार्थ सहित कुल 1.681 किलोग्राम अवैध सूखा गांजा भी बरामद किया गया। इस प्रकार आरोपी के कब्जे से कुल 2.771 किलोग्राम गांजा और गांजा बिक्री की रकम 600 रुपये जब्त की गई। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी टिबलूराम पटेल ने स्वीकार किया कि वह घर की बाड़ी में गांजे का पौधा उगाकर अवैध रूप से इसकी बिक्री का कारोबार लंबे समय से कर रहा था। आमाबेड़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (क) (ढ्ढ) और 20 (ख) (ढ्ढढ्ढ) (ख) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। इस सराहनीय और पूरी कार्रवाई में आमाबेड़ा थाना प्रभारी व निरीक्षक विनोद कुमार साहू, उप निरीक्षक भुनेश्वर चंद्रवंशी, सउनि गिरीशचन्द्र कुर्रे, प्रधान आरक्षक 427 महेश नेताम, आरक्षक विकास कुमार, आरक्षक मनिहार भुरकुरिया, आरक्षक अमरसिंह नेताम, महिला आरक्षक प्रतिभा यादव सहित क्राइम टीम से सउनि भाकेश पटेल एवं आरक्षक रामरतन निषाद, जितेन्द्र नाग, भूपेश नेताम, कृष्णा केसरी और छेदन सोनकर की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

# नगर पालिका के सफाई कर्मियों ने एक जुलाई से काम बंद करने की दी चेतावनी

**कांकेर।** कांकेर नगर पालिका में कार्यरत प्लेसमेंट सफाई कर्मचारियों ने कल सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर एक जुलाई से सफाई काम बंद करने की चेतावनी दी है।आज जारी एक प्रेस बयान में छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने कहा कि विगत 6 माह से यूनियन ने सीएमओ से मांग करते आ रहे है कि सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरण वितरित किया जाए लेकिन निकाय के प्रबंधन की उदासीनता के कारण आज तक सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण वितरित नहीं किया गया है।बबाल्मीक ने कहा सफाई कर्मचारियों को हाथ का दस्ताना, मास्क, बरसाती जूते, साबुन, गुड, बरसाती, ड्रेस जैसे सुरक्षा उपकरण * वितरित करना चाहिए जो कभी भी पालिका ने नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि आज यूनियन के ओर से सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर यह सभी उपकरण 30 जून तक वितरित करने की मांग किया गया है अन्यथा एक जुलाई से शहर के सफाई काम को बंद किया जाएगा

# चाकू दिखा कर गुंडा गर्दी करने वाले आरोपी को बस्तर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जगदलपुर। जिला बस्तर जगदलपुर एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय में किया गया पेश आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को किया गया जप्त नाम आरोपी :- पोलूस नाथ पिता समुएल नाथ उम्र 25 वर्ष निवासी आकाश नगर राजीव गाँधी वार्ड जगदलपुर पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गुंडा गर्दी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में दिनांक 23.06.2026 को प्रार्थीया सत्यनाथ पति समुएल नाथ निवासी आकाश नगर जगदलपुर थाना बोधघाट में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा पोलूस नाथ शराब के नशे में घर बाहर आकर तलवार लहराकर गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किया है,रिपोर्ट पर तत्काल धारा 296,115(2),351(2) ड्डह्स, 25(1-ख ), 27(1) आर्म्स एक्ट अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध करते हुए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक डी धोत्रे सुमित कुमार दत्ता हरिराव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, उक्त टीम के द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त आरोपी की पता साजी कर उक्त आरोपी पोलूस नाथ पिता समुएल नाथ को पकड़कर पूछताछ करने अपराध घटित करना कबूल करते हुए घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को पेश करने उक्त चाकू को जप्त करते हुए उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है।

महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अधिकारी-

# सहकारी सप्ताह बनेगा जनभागीदारी का अभियान, मंत्री केदार कश्यप ने बनाई व्यापक रणनीति

जगदलपुर। जगदलपुर सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 06 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले ÷सहकारी सप्ताह÷ के सफल आयोजन और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने संभाग स्तरीय वर्चुअल बैठक ली। बैठक में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर की ओर से बैंक अध्यक्ष दिनेश कश्यप बैंक मुख्यालय से एवं उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा सुकमा नोडल कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इसके साथ सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी वर्चुअल बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में मंत्री केदार कश्यप ने निर्देश दिए कि सहकारी सप्ताह के दौरान प्राथमिक कृषि साख समितियां (पैक्स/लैम्प्स), वनोपज, दुग्ध, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय सहकारी समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में विविध गतिविधियां और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। मंत्री ने सभी संस्थाओं से अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने और किसानों, ग्रामीणों व आमजन के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर द्वारा भी सहकारी सप्ताह के दौरान विभिन्न समितियों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम, सहकारी गतिविधियां और योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर सहकारिता की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने की व्यापक तैयारी की जा रही है।

# चोरी के वारदात का खुलासा बस्तर पुलिस को मीली बड़ी सफलता लाखों के जेवरात व नकदी बरामद

बस्तर। बस्तर से मामला थाना लोहण्डीगुड़ा के तारागांव तथा थाना परपा ग्राम धर्माउर का है चोरी के घटना को अंजमा देने वाले आरोपी लोहण्डीगुड़ा थाना के गिरफ्त में जप्त संपत्ति- सोने-चांदी के आभूषण व सोने-चांदी के गलाये डले कुल कीमती 11,19000- रूपये ,नगदी रकम 5000- रु एक बिना नंबर का पल्सर मोटर सायकल काले रंग का नाम आरोपी - कृष्णा सेट्ठी पिता कोलंची सेट्ठी उम्र 29 वर्ष जाति स्वीपार निवासी वार्ड क्रमांक 12 शिव मंदिर के पास गीदम जिला दन्तेवाड़ा अविनाश स्वामी पिता ऐ कुमार उम्र 26 वर्ष जाति स्वीपर निवासी बस स्टेण्ड वार्ड नंबर 05 भट्ठी पारा दन्तेवाड़ा जिला दन्तेवाड़ा (3) रूद्रांचल ठाकुर पिता स्व. विजेन्द्र ठाकुर उम्र 29 वर्ष जाति धाकड़ निवासी तारागांव खास पारा थाना लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर,(4) अजय व्यापारी पिता स्व.राम कृष्णा व्यापारी निवासी हाउरनार हाई स्कूल मैदान के पास गीदम जिला दन्तेवाड़ा5 संतोष सोनी पिता स्व. भास्कर सोनी उम्र 43 वर्ष जाति सोनार निवासी मिनी माता वार्ड 06 गीदम पीडब्ल्यू पारा जिला दन्तेवाड़ा पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही कि जा रहा है। इसी दरम्यान में थाना लोहण्डीगुड़ा के ग्राम तारागांव तथा थाना परपा ग्राम धर्माउर के सुने मकान के अंदर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को पकड़ने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। ज्ञात हो कि प्रार्थीया भगवती सरकार एवं उसके पति सदानंद सरकार उम्र 32 वर्ष निवासी तारागांव जिला बस्तर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था दिनांक 15.06.2026 के दरम्यान - रात्रि में सुने मकान में ताला तोड़कर कोई अज्ञात चोर घर मे रखे सोने एवं चांदी के जेवर और नगदी रकम चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी लोहण्डीगुड़ा/ केशलूर लक्ष्मण पोटाई के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी लोहण्डीगुड़ा निरीक्षक रवि बेगा एवं थाना प्रभारी परपा मो तारिक़ के नेतृत्व में कार्यवाही हेतु टीम गठित किया गया।

# विधायक लता उसेंडी ने विभिन गांवों में 19 निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

## 01 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात,

**कोंडागांव।** कोंडागांव विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रमों के दौरान जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, सामुदायिक भवन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नेतृत्व के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार तीन कार्यकाल तक देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके नेतृत्व में हमारा देश में आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, कृषि, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक और जनहितकारी कार्य हुए हैं। विधायक सुश्री उसेण्डी ने ग्राम चिखलपुटी, ग्राम कुकाड़गारपाल, ग्राम बड़ेकनेरा, ग्राम बड़ेबेन्दरी और ग्राम छोटे भिरावण्ड के ग्रामवासियों को कुल लागत राशि 166.72 लाख रूपए के 19 विकास कार्यों की सौगात की। ग्राम पंचायत चिखलपुटी में कुल 40.73 लाख रुपये की लागत से चार विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें पुलिस लाइन के पास 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, उत्तम जैन के घर से गायत्री परिवार मंदिर तक 4 लाख रुपये की लागत से द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण, दंतेश्वरी अस्पताल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग से पवन तिवारी के घर तक 7.50 लाख रुपये की लागत से 250 मीटर सीसी सड़क निर्माण तथा प्राथमिक शाला चिखलपुटी में 19.23 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत कुकाड़गारपाल में 28.23 लाख रुपये की लागत के दो कार्यों का भूमिपूजन किया, इनमें मुख्य मार्ग से नयापारा मार्ग तक 9 लाख रुपये की लागत से 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण तथा स्कूलपारा स्थित माध्यमिक शाला के नवीन भवन निर्माण हेतु 19.23 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में कुल 46.79 लाख रुपये की लागत से आठ विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें बाजार स्थल के पास 2.50 लाख रुपये से बाउंड्रीवाल निर्माण, बाजारपारा चौक गुड़ी के पास 5 लाख रुपये से सामुदायिक भवन निर्माण, प्लाटपारा में 1 लाख रुपये से शेड निर्माण, कदमपारा में रोहित भोयर के घर के पास 3 लाख रुपये से शेड निर्माण, डोंगरीगुड़ा प्राथमिक शाला के नवीन भवन हेतु 18.79 लाख रुपये, शिवनाभाटा डेम में 3 लाख रुपये से स्नानघाट निर्माण, गौशाला मार्ग में 8.50 लाख रुपये से सीसी सड़क निर्माण तथा राजापारा में सामुदायिक भवन के पास 5 लाख रुपये से रंगमंच निर्माण कार्य शामिल हैं। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत बड़ेबेंदरी में 21.14 लाख रुपये की लागत के दो कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें 5 लाख रुपये की लागत से अटल डिजिटल सुविधा केंद्र तथा 16.14 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक शाला काड़कीपारा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत छोटेभिरावंड में कुल 29.83 लाख रुपये की लागत से तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें पंचायत भवन के सामने 5.81 लाख रुपये से शेड निर्माण, 19.23 लाख रुपये से नवीन उच्च प्राथमिक शाला भवन निर्माण तथा 4.79 लाख रुपये से मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय शेड निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोर्राम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदई नाग, जनपद उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जनपद सदस्य श्रीमती नीलाबती नाग, संतोष पात्र, जैनेन्द्र ठाकुर, हितेन्द्र झा, विक्रम सोरी, दयाशंकर दीवान, श्रीमती राजेश्वरी सोढ़ी, प्रकाश, चुरगिया,श्रीमती धनमती नेताम, श्रीमती प्रेमबती कोर्राम, सुरेराम मांझी, विजय सोढ़ी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

# हर घर तक पहुंचे स्वच्छ पेयजल : सीईओ जिला पंचायत

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशन में आज जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की बैठक आयोजित कर जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मिशन के वित्तीय एवं भौतिक प्रगति, लंबित भुगतान, जल गुणवत्ता परीक्षण, अधोसंरचना विकास तथा स्वच्छता गतिविधियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

### समन्वित प्रयासों से मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने का आह्वान

बैठक के अंत में सीईओ जिला पंचायत प्रेमलता पद्माकर ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन स्तर में सुधार लाने की महत्वपूर्ण योजना है और इसके सफल क्रियान्वयन से प्रत्येक परिवार को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जिला पंचायत एवं मिशन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### लंबित भुगतानों के त्वरित निराकरण पर दिया गया जोर

बैठक में एसएनए स्पर्श के अंतर्गत लंबित देयकों के भुगतान तथा 01 अप्रैल 2026 के पश्चात प्राप्त आवंटन एवं किए गए भुगतानों के अनुमोदन संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भुगतान संबंधी सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्यों की गति प्रभावित न हो और योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से जारी रहे।

### सीआईआरपी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

बैठक में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन द्वारा प्रदत्त कॉम्प्रिहेंसिव इम्प्लीमेंटेशन एंड रिफॉर्म प्लान के क्रियान्वयन एवं अनुमोदन पर चर्चा की गई। इस दौरान योजना के विभिन्न घटकों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा पर बल दिया गया।

### जल गुणवत्ता परीक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर चर्चा

बैठक में एफएचटीएल लैब हेतु आवश्यक रसायन एवं उपकरणों की जीईएम पोर्टल के माध्यम से खरीद के प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना मिशन का प्रमुख उद्देश्य है, इसलिए जल गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाए। उन्होंने प्रयोगशालाओं में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से जल नमूनों की जांच करने के निर्देश दिए।

# अल्प वर्षा की आशंका को देखते हुए वैज्ञानिक खेती एवं जल संरक्षण पर जोर

बेमेतरा। जिले में संभावित अल्प वर्षा एवं खरीफ मौसम 2026 को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक खेती, जल संरक्षण एवं फसल विविधीकरण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। मौसम विभाग द्वारा सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त किए जाने तथा जिले में विगत वर्ष मात्र 535 मिमी औसत वर्षा दर्ज होने के कारण प्रशासन द्वारा किसानों को समय रहते आवश्यक कृषि प्रबंधन उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है। कलेक्टर ने किसानों से अधिक अवधि वाली धान किस्मों के स्थान पर कम अवधि में पकने वाली किस्मों जैसे एमटीयू-1010 एवं विक्रम टीसीआर का चयन करने की अपील की है। साथ ही धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने, फसल विविधीकरण अपनाने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का समुचित उपयोग करने पर विशेष बल दिया गया है।राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना के तहत दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ तथा धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती करने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ तक प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। किसानों से इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने का आग्रह किया गया है। कलेक्टर ने खेतों में लाइन सोइंग (कतार बोनी), एसआरआई पद्धति, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता है। साथ ही खेत तालाब, मेड़बंदी, नलकूप रिचार्ज, सोकपिट निर्माण एवं वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है। कृषकों को वैज्ञानिक खेती एवं जल संरक्षण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 जून से आगामी एक सप्ताह तक जिले के विभिन्न ग्रामों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन ग्राम सभाओं में कृषि विभाग के अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ किसानों को कम वर्षा की परिस्थितियों में खेती की उन्नत तकनीकों, नमी संरक्षण, वैकल्पिक फसल चयन एवं जल प्रबंधन के उपायों की जानकारी देंगे। कृषि विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2026 में संभावित अल-नीनो प्रभाव एवं वर्षा में कमी की आशंका को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए सामान्य आकस्मिक कार्ययोजना जारी की गई है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों एवं मेड़ों की साफ-सफाई कर समय पर जुताई एवं कृषि तैयारियां पूर्ण करें तथा कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसलों एवं किस्मों का चयन करें।कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि कम वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की सीधी बुवाई (डायरेक्ट सीडेड राइस) को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस पद्धति से लगभग 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, उत्पादन लागत कम आती है तथा फसल लगभग 12 दिन पहले तैयार हो जाती है। किसानों को धान की खेती हेतु खेतों में मेड़बंदी कर उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग करने की भी सलाह दी गई है।उच्च भूमि वाले क्षेत्रों में धान के स्थान पर अरहर, उड़द, मूंग, तिल एवं सोयाबीन जैसी फसलों को अपनाने की सलाह दी गई है। वहीं कतार पद्धति से बुवाई करने पर खरपतवार नियंत्रण, पौधों की समान वृद्धि एवं नमी संरक्षण में सहायता मिलती है। इससे फसलों की जड़ें गहराई तक विकसित होती हैं तथा सूखे की स्थिति में भी फसल अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती है।

# समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

मुंगेली। पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित संवाद कक्ष में जिले की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी, थाना एवं चैकी प्रभारी तथा पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महिला एवं गुमशुदा बालक-बालिकाओं से संबंधित अपराधों, गंभीर अपराध जैसे हत्या, हत्या का प्रयास, संपत्ति संबंधी अपराध (चोरी, नकबजनी, झपटमारी) एवं पूर्व लंचित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए तथा धारा 173 (8) जा. फी. (वर्तमान 193 बीएनएसएस) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों, लंबित मर्ग प्रकरणों का शीघ्र वैधानिक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही थानों में प्राप्त शिकायतों को 07 दिवस के भीतर तथा पूर्व लंबित शिकायतों को 15 दिवस के भीतर निराकरण करने, थाना परिसर एवं मालखाना की साफ -सफाई तथा अभिलेखों को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। जिले के समस्त पर्यवेक्षण अधिकारियों को अपने-अपने थाना/ चैकी क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, नियमित भ्रमण करने तथा लंबित प्रकरणों की निरंतर समीक्षा कर निर्धारित समयावधि में निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। गुमशुदा बालक-बालिकाओं की बरामदगी हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान की समीक्षा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पटेल ने कार्य में और अधिक तेजी लाने, बरामद बच्चों को सकुशल परिजनों को सौंपने एवं विधिवत कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे आम जनता का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। बैठक के दौरान जिले में बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करते हुए स्मार्ट पुलिसिंग पर विशेष जोर दिया गया।

# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को राष्ट्र कभी नहीं भूलेगा : ए गौरीशंकर

## भाजपा चरोदा मंडल द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाया गया बलिदान दिवस

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के आह्वान एवं प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन तथा भिलाई जिला संगठन के निर्देशानुसार भाजपा चरोदा मंडल द्वारा भारत के महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद् एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' के सिद्धांत को लेकर संघर्ष किया और देश की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका राष्ट्रवादी चिंतन आज भी करोड़ों देशवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। देश उनके योगदान को सदैव स्मरण रखेगा।

# विद्यार्थियों को गणवेश और पुस्तकों का किया गया वितरण

मुंगेली। विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल जोता में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया, जिससे बच्चों में नए सत्र को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के प्राचार्य पुनाराम साहू ने बताया कि प्रवेशोत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीण कृषि उद्यानिकी अधिकारी सतीश नवरंग, अन्य अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अभिभावकों को भी बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पालकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

# महिला-बालिका से संबंधित क्राइम मामलों के इंवेसटिगेशन और पोक्सो एक्ट पर हुआ सेमीनार

## पुलिस अधिकारियों को दिया गया मार्गदर्शन, मंगल भवन पुलिस लाइन में हुआ कार्यक्रम

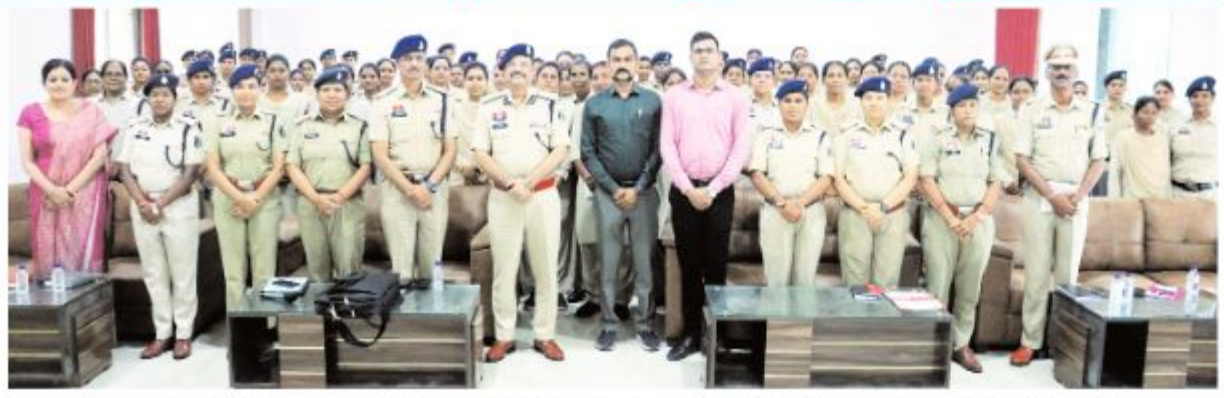

राजनांदगांव। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की विवेचना मे गुणवत्ता सुधार तथा प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव बालाजी राव द्वारा रेंज के महिला विवेचकों एवं कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन कराया गया। विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पोक्सो के महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए विवेचना में होने वाली सामान्य त्रुटियों एवं उनके निराकरण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही विवेचकों को प्रकरणों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। कार्यशाला में जिले के विभिन्न थाना एवं इकाइयों में पदस्थ महिला विवेचकों को महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध घटित अपराधों से संबंधित प्रकरणों की विवेचना में अपनाई जाने वाली विधिक प्रक्रियाओं, साक्ष्य संकलन, पीड़िता के प्रति संवेदनशील व्यवहार, चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के महत्व तथा न्यायालयीन प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में परवेज अख्तर अधिवक्ता राजनांदगांव, गौरी चक्रवर्ती अधिवक्ता दुर्ग, द्वारा महिला व और बच्चों से संबंधित अपराध एवं पोक्सो एक्ट की विवेचना के संबंध में बताया, उपनिरीक्षक डॉक्टर संकल्प राय दुर्ग द्वारा महिला व बच्चों पर घटित साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बालाजी राव पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज द्वारा ह्यूमन ट्रैफिकिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित जानकारी प्रदान दी गई। कार्यक्रम में कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज से उप पुलिस अधीक्षक नवी मोनिका पांडे, एसडीओपी डोंगरगाँव मंजूलता बाज, एसडीओपी खैरागढ़ आशारानी, उप पुलिस अधीक्षक मोहला नेहा पवार सहित राजनांदगांव रेंज के चारों जिलों से 04 उपनिरीक्षक, 06 सहायक उप निरीक्षक, 12 प्रधान आरक्षक और 60 महिला आरक्षक कुल 85 महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में अपनी सहभागिता दी।

# पीएम आवास योजना : 15 हितग्राहियों को लॉटरी से मिला अपने घर का सपना

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आवासों के आवंटन की प्रक्रिया लगातार जारी है। आकर्षक एवं किफायती दरों पर निर्मित इन आवासों को लेकर नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है तथा बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। निगम द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर के 1, सरस्वती नगर के 9 तथा मां कर्मा बोरसी के 5 आवासों के लिए प्राप्त कुल 15 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, पार्षद सरिता चंद्राकर तथा कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए। महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किए गए। लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हुई। निगम प्रशासन ने बताया कि आवास की सम्पूर्ण राशि जमा करने के पश्चात हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता हुआ पाया गया तो निगम द्वारा आवंटन निरस्त करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान दीपक संचेती, टिकेश्वर दास साहू (सीएलटीसी), रामदास साहू सहायक ग्रेड-03 सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कर्मचारी नगर में सामूहिक योगाभ्यास

## महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

■ स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला : सविता रजनीश वर्मा

दुर्ग। कर्मचारी नगर में विश्व योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जागृति महिला समिति, आदर्श महिला समिति एवं नटराज फिटनेस एंड डांस अकैडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें कॉलोनी की महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। जागृति महिला समिति की अध्यक्ष सविता रजनीश वर्मा ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का भी आधार है। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं शिक्षित और स्वस्थ रहेंगी तो परिवार, समाज, राज्य और देश भी स्वस्थ एवं सशक्त बनेगा। उन्होंने सभी महिलाओं से नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। आदर्श महिला समिति की अध्यक्ष इंदु ढेाक ने महिलाओं को योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा अधिक से अधिक संख्या में योग गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं नटराज फिटनेस एंड डांस अकैडमी की संचालिका पी. अर्निका ने योगाभ्यास का संचालन करते हुए विभिन्न योगासनों एवं उनके लाभों की जानकारी दी तथा सभी प्रतिभागियों को योग की सही विधि का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में टी. पदमा, अनीता, पूर्णिमा, राजश्री, बबीता, किरण, इंदु जैन, अनु, इला, मीना, हेमलता भारती, स्मिता, वंदना, तान्या, राधिका, रुक्मणी, वैशाली, मंजू वासनिक, संगीता, सुनीता सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी की महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

# स्वास्थ्य शिविर में 407 ग्रामीणों ने लिया लाभ

बेमेतरा। आयुष विभाग के तत्वावधान में तथा जिला आयुष अधिकारी बेमेतरा के मार्गदर्शन में ग्राम बावामोहतरा में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण एवं योग संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 407 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. स्वाति शर्मा, डॉ. ममता गावरे, डॉ. चारूस्मिता, डॉ. प्रकाश प्रसाद तथा एनसीडी क्लिनिक, जिला चिकित्सालय बेमेतरा से डॉ. चिरंजीवी वर्मा उपस्थित रहे। साथ ही योग चिकित्सक डॉ. भूमिका साहू ने योग एवं स्वस्थ जीवनशैली संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान कुल 166 व्यक्तियों का रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) परीक्षण एवं 78 व्यक्तियों की रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) जांच की गई। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष रोग प्रतिरोधक काढ़े का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा आगामी वर्षा ऋतु में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे सर्दी, खांसी, बुखार एवं मौसमी संक्रमणों से बचाव के उपायों के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास एवं समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मेंनीमा मोहन वर्मा (जनपद सदस्य) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में तामेश्वर देवदास वर्मा (ग्राम सरपंच), आमदेव साहू (उपसरपंच), लव कुमार साहू (सोसायटी अध्यक्ष) सहित ग्राम पंचायत के पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# बीएसपी समूह में नेतृत्व विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दल्लीराजहरा। बीएसपी समूह खदानों के अधिकारियों हेतु तेजी से हो रहे परिवर्तनों के दौर में टीम का नेतृत्व विषय पर दो दिवसीय नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन दिनांक 22-23 जून को माइन वेस्टिब्यूल ट्रेनिंग सेंटर , राजहरा में किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रख्यात प्रबंधन विशेषज्ञ एवं सेल के पूर्व निदेशक (वाणिज्य) डॉ. शोएब अहमद तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित नेतृत्व प्रशिक्षक एवं इमेज कंसल्टेंट सुआरती शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला में बदलते कार्य परिवेश में नेतृत्व, प्रभावी संचार, टीम निर्माण, परिवर्तन प्रबंधन तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न समूह गतिविधियों, विचार-विमर्श एवं अनुभव साझा करने के माध्यम से सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला से प्रतिभागियों को नेतृत्व कौशल विकसित करने तथा कार्यस्थल पर टीमों का प्रभावी संचालन करने के लिए उपयोगी ज्ञान एवं व्यावहारिक सुझाव प्राप्त हुए। यह कार्यक्रम आर. बी. गहेरवार, सीजीएम (माइंस) के मार्गदर्शन में एमवीटीसी टीम द्वारा आयोजित किया गया, जो बीएसपी समूह खदानों द्वारा अधिकारियों के नेतृत्व विकास एवं क्षमता संवर्धन के सतत प्रयासों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

# 'अनसर काल' जब 15 दिनों के लिए बीमार पड़ जाते हैं भगवान जगन्नाथ

ओ डिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ जी का मंदिर है। ये मंदिर चार पावन धामों का हिस्सा माना जाता है। मंदिर में श्रीकृष्ण भगवान जगन्नाथ जी के रूप में विराजमान हैं। यहां हर साल जगन्नाथ जी की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जाती है। ये सनातन परंपरा के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है, जिसमें लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ जी अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी के साथ रथों पर सवार होकर गुंडिचा देवी मंदिर तक यात्रा करते हैं। गुंडिचा देवी भगवान की मौसी मानी जाती हैं।इस महापर्व में शामिल होकर श्रद्धालु भगवान के दर्शन करते हैं और रथों को खींचते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से पाप मिट जाते हैं। इस साल भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का पावन उत्सव 16 जुलाई से प्रारंभ होकर 24 जुलाई तक चलेगा। भगवान जगन्नाथ जी से जुड़े कई रहस्य हैं। कहा जाता है कि रथयात्रा के 15 दिन पहले भगवान बीमार पड़ जाते हैं, तब उनको औषधीय भोग अर्पित किया जाता है। इस समय को 'अनसर काल' या 'अनवसर' कहते हैं।

## स्नान के बाद भगवान पड़ जाते हैं बीमार

रथयात्रा के पहले ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन स्नान पूर्णिमा आयोजित की जाती है। इस मौके पर जगन्नाथ जी, बलभद्र और देवी सुभद्रा का 108 पावन कलशों में भरे जल से विशेष अभिषेक किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसके बाद ही भगवान जगन्नाथ को बुखार आ जाता है। फिर वो लगभग 15 दिन बीमार रहते हैं। इसी को 'अनसर काल' या 'अनवसर' के रूप में जाना जाता है। इस दौरान मंदिर के कपाट बंद रहते हैं और भगवान को औषधीय भोग लगाया जाता है। इसके बाद जब इस विशेष उपचार के बाद भगवान जगन्नाथ जी सेहतमंद होते हैं, तो श्रद्धालुओं को उनके दर्शन कराए जाते हैं। इतना ही नहीं इसी के बाद भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की शुरुआत की जाती है। भगवान की रथयात्रा का धार्मिक महत्व बहुत ही विशेष माना गया है।

## रथयात्रा का है विशेष धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि जगन्नाथ जी की रथयात्रा में श्रद्धा के साथ भाग लेने और रथ की रस्सियां खींचने से विषेष पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता है कि जगन्नाथ जी के रथ के पहिओं की रस्सियां खींचने से अनजाने में किए सभी पाप कट जाते हैं। साथ ही भगवान जगन्नाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। भगवान सिर्फ मंदिरों में नहीं है, बल्कि वो भक्तों के बीच आकर उनको दर्शन देते हैं। यही रथयात्रा के महापर्व का अध्यात्मिक संदेश है।

# आज मनाया जाएगा मुहर्रम

## जानिए क्यों निकाला जाता है ताजिया

मु हर्रम इस्लाम के चार पवित्र महीनों में से एक है. विश्वभर के मुसलमानों के लिए इस माह का विशेष महत्व है. इस्लामिक हिजरी कैलेंडर के अनुसार, मुहर्रम का पाक माह इस्लाम धर्म का पहला महीना होता है. यानी इसी माह से इस्लामिक नववर्ष की शुरुआत होती है. हालांकि, इस्लाम में मुहर्रम के पहले 10 दिन को गम और मातम के माने जाते हैं, क्योंकि ये वही समय होता है, जिसमें इराक के कर्बला में जंग लड़ी गई थी और जिसमें पैगंबर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन ने अपने 72 साथियों के साथ शहादत दी थी. इस दौरान दुनिया भर के मुसलमान इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मजलिस, मातम, सबील और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं. इस महीने का सबसे महत्वपूर्ण दिन आशूरा को माना जाता है. आशूरा मुहर्रम की 10वीं तारीख को मनाया जाता है. चांद दिखने में एक दिन की वजह से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आशूरा आज मनाया जा रहा है. वहीं भारत में 26 जून, शुक्रवार यानी कल ये मनाया जाएगा. इस दौरान ताजिया भी निकाला जाएगा. आइए जानते हैं कि ये क्यों निकाला जाता है?

## ताजिया क्या होता है?

मुहर्रम के दौरान सबसे प्रमुख प्रतीक ताजिया होता है। ताजिये एक धार्मिक ढांचा भर नहीं है, बल्कि ये इस्लामिक इतिहास और परंपरा की एक लंबी कहानी कहता है। भारत के कई शहरों में मुहर्रम के दौरान ताजिये निकाले जाते हैं। लाखों लोग इन जुलूसों में शामिल होते हैं। ताजिये को इमाम हुसैन के कर्बला स्थित मकबरे का प्रतीकात्मक मॉडल माना जाता है। इसे कागज, बांस, लकड़ी, धातु और अन्य सजावटी चीजों से बनाया जाता है। इसको खास तौर पर मुहर्रम के लिए तैयार किया जाता है। आमतौर पर ताजिये को मुसलमान मुहर्रम की पहली तारीख से पहले या इसके शुरू के दिनों में घरों, इमामबाड़ों और अजाखानों में लाते हैं। इसके बाद दसवीं मुहर्रम यानी आशूरा के दिन इसको दफनाया जाता है या तय जगह तक ले जाया जाता है।

## मुहर्रम में ताजिया क्यों निकाला जाता है?

मुहर्रम के दौरान जो भी परंपराएं निभाई जाती हैं, उनमें से कई ताजिये के आसपास केंद्रित रहती हैं। इन परंपराओं में मजलिस, मातम, नौहा, जुलूस, आलम और सबील शामिल है। ताजिया आने के बाद अजाखानों और इमामबाड़ों में शोक सभाओं का आयोजन किया जाता है। इस दौरान लोग या हुसैन की सदाएं लगाते हैं और कर्बला की घटनाएं याद करते हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग स्थानों पर शोक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

# कामाख्या शक्तिपीठ का सबसे बड़ा रहस्य

भा रत अपनी संस्कृति और कलाओं के साथ-साथ अपनी आध्यात्म और धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। खासकर हिंदू धर्म में आस्था से जुड़े कई चमत्कार देखने को मिलते हैं। यहां कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपने रहस्यों के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर पूर्वोत्तर भारत के असम में स्थित है, जो कामाख्या देवी मंदिर है और इसको एक दिव्य और चमत्कारी जगह कहा जाता है। हर साल यहां जून के महीने में आध्यात्म, आस्था और रहस्य का अनूठा संगम देखने को मिलता है। जिसको दुनिया 'अंबुबाची मेला' कहती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस बार यह मेला कब शुरू होगा और इस मेले की क्या खासियत है।

### रहस्यों से भरा मां का दरबार

असम के गुवाहाटी शहर की नीलाचल पहाड़ियों पर मां कामाख्या का यह पावन धाम मौजूद है। हिंदू धर्म की सभी 51 शक्तिपीठों में मां कामाख्या मंदिर का सबसे खास और ऊंचा स्थान माना गया है। मंदिर की मान्यता है कि यहां बाकी मंदिरों की तरह किसी देवी की मूर्ति नहीं है। मूर्ति की जगह पर यहां एक प्राकृतिक रूप से निर्मित शिला की पूजा होती है। जिसका आकार योनि के समान है। माना जाता है कि देवी सती के योनि का भाग यहां पर गिरा था, जिसके बाद यहां पर शक्तिपीठ बना था।

### कब लगेगा अंबुवाची मेले

अंबुबाची मेला यहां पर होने वाला एक अहम पर्व है। इस मेले से प्राचीन और गहरी धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं। माना जाता है कि हर साल मेले के दौरान मां कामाख्या अपने मासिक धर्म से गुजरती हैं। इसी वजह से देवी मां को पूरा आराम दिया जाता है और मंदिर के मुख्य कपाट को तीन दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया जाता है।

इन तीन दिनों में मंदिर के अंदर किसी भी तरह का पूजा-पाठ, आरती या अन्य कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं होता है। वहीं चौथे दिन शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बाद ही मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले जाते हैं। इस साल 22 जून 2026 से अंबुबाची मेले की शुरूआत होने जा रही है, जोकि 26 जून तक चलेगा। बता दें कि अंबुबाची मेले से जुड़ी कई मान्यताएं है। माना जाता है कि मंदिर का पट बंद करते समय यहां पर एक सफेद कपड़ा रखा जाता है, जोकि 3 दिन बाद मंदिर खुलने पर पूरी तरह से लाल हो जाता है। वहीं प्रसाद के रूप में भक्तों को यही 'अंगवस्त्र' यानी लाल कपड़े का टुकड़ा दिया जाता है। जिसको लोग मां कामाख्य का परम आशीर्वाद मानते हैं।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से कल ननिहाल पक्ष में किसी बात को लेकर हल्का मनमुटाव हो सकता है। वीकेंड से पहले कल आपको सलाह दी जाती है कि जल्दबाजी में कोई भी बड़ा डिसीजन न लें, धीरज रखें और सोच-समझकर काम करें।

**वृषभ राशि** - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से कल लव लाइफ में थोड़ी दूरियां आ सकती हैं, लेकिन समझदारी से रिश्ते संभल जाएंगे। सिद्धि और सर्वार्थसिद्धि योग बनने से कल आपके व्यापार में बहुत अच्छा मुनाफा होगा, आउटलेट पर ग्राहकों की भारी भीड़ रहेगी और बिक्री जोरदार होगी।

**मिथुन राशि** - चंद्रमा के छठे भाव में होने से कल आपको किसी पुरानी बीमारी या शारीरिक कष्ट से पूरी तरह परमानेंट छुटकारा मिल जाएगा। मेटल, कमोडिटी और ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़े लोगों के ऊपर कल धन की बरसात होगी; शाम तक किसी बड़े भुगतान या पेंडिंग पेमेंट के आने के पूरे आसार हैं।

**कर्क राशि** - चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से कल संतान पक्ष की तरफ से कोई बहुत बड़ा सुखद समाचार मिल सकता है। सिद्धि और सर्वार्थसिद्धि योग बनने से कल बिजनेसमैन को शानदार प्रॉफिट प्राप्त होगा; किसी बहुत पुरानी बड़ी पार्टी के साथ आपका दोबारा टाइअप या बिजनेस स्टार्ट हो सकता है।

**सिंह राशि** - चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से कल भूमि-भवन और रियल एस्टेट से जुड़े पुराने उलझे हुए मामले आसानी से सुलझ जाएंगे। कल का दिन नौकरीपेशा लोगों के लिए थोड़ा सा चुनौतीपूर्ण रह सकती है; कार्यस्थल पर किसी बड़े इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट में आपसे कोई तकनीकी गलती हो सकती है, जिसकी वजह से सीनियर्स की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

**कन्या राशि** - चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से कल आपके साहस, पराक्रम और निर्णय लेने की क्षमता में जबरदस्त वृद्धि होगी। जिन व्यापारियों की राजनीतिक हलकों या किसी बड़े पॉलिटिशियन से अच्छी सांठगांठ है, कल वे बिजनेस में धमाकेदार सफलता और बड़ा टेंडर प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

**तुला राशि**-चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से कल आप फाइनेंशियली काफी स्ट्रांग और मजबूत स्थिति में रहेंगे। बुधादित्य, वाशी और सुनफा योग के बनने से बिजनेसमैन को कल किसी पुराने कानूनी नोटिस या टैक्स विवाद से बड़ी राहत मिलेगी, जिससे वे पूरी तरह रिलैक्स होकर अपने कोर बिजनेस पर फोकस कर पाएंगे।

**वृश्चिक राशि** -चंद्रमा कल आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे मन में सुबह थोड़ा सा भटकाव महसूस हो सकता है, लेकिन दोपहर बाद परिस्थितियां अनुकूल हो जाएंगी। कल कार्यस्थल पर नौकरीपेशा लोगों की सहनशक्ति और सहनशीलता बहुत बेहतरीन रहेगी, जिसके बल पर वे कठिन और जटिल से जटिल प्रोजेक्ट्स को भी आसानी से सॉल्व कर लेंगे।

**धनु राशि**-चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से कल आपको कॉरपोरेट वर्ल्ड के नए नियमों और कानूनी दांव-पेंचों को गहराई से सीखने की सख्त जरूरत है। कल का दिन व्यापार के लिहाज से काफी उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है; किसी बहुत बड़ी व्यावसायिक प्लानिंग में असफलता मिलने की आशंका है और इन्वेस्टर अपना फंड वापस मांग सकते हैं, सतर्क रहें।

**मकर राशि** - चंद्रमा के ग्यारहवें भाव में होने से कल का दिन आपके कुल प्रॉफिट और रेवेन्यू को तेजी से बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम है। सिद्धि और सर्वार्थसिद्धि योग बनने से कल आपके बिजनेस एक्सपेंशन और विस्तार के शानदार अवसर आएंगे; विदेशी संपर्कों या इंटरनेशनल क्लाइंट्स से कोई बहुत बड़ा कमर्शियल सौदा पक्का हो सकता है।

**कुंभ राशि**- चंद्रमा के दसवें भाव में होने से आज आपको घर के बड़े-बुजुर्गों और इंडस्ट्री के सीनियर्स के आदर्शों व गाइडलाइंस पर चलना चाहिए। आज आपकी हटकर और आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच की बदौलत आपको बिजनेस में शानदार सफलता मिलेगी; आपके किसी अनोखे स्टार्टअप आइडिया को बड़ी फंडिंग मिल सकती है।

**मीन राशि**- चंद्रमा के नवम भाव में होने से कल परोपकार और अच्छे काम करने की वजह से आपका भाग्य तेजी से चमकेगा। कल आपके पास कैश फ्लो बहुत मजबूत रहेगा, जिसके चलते बिजनेस के दैनिक खर्चों को पूरा करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी बल्कि आप एक अच्छी-खासी सेविंग (बचत) भी कर लेंगे।

# बार-बार चक्कर आना शरीर में किसी विटामिन की कमी का है संकेत?

*क ई लोगों को अक्सर बार-बार चक्कर आने की समस्या होती है। कुछ लोग इसे थकान, कमजोरी या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार इसके पीछे शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी एक वजह हो सकती है। विटामिन शरीर के कई जरूरी कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं और इनकी कमी से स्वास्थ्य पर अलग-अलग तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं। हालांकि बार-बार चक्कर आना केवल विटामिन की कमी का संकेत नहीं होता। इसके पीछे लो ब्लड प्रेशर, एनीमिया, डिहाइड्रेशन, कान से जुड़ी समस्याएं या अन्य स्वास्थ्य कारण भी हो सकते हैं, लेकिन कुछ मामलों में शरीर में विटामिन की कमी भी इसकी एक वजह बन सकती है। इसलिए लगातार चक्कर आने की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सही कारण का पता लगाने के लिए जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह और जरूरी जांच कराना अहम है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बार-बार चक्कर आना किन विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है, इसके साथ कौन-से लक्षण दिखाई दे सकते हैं और इस स्थिति में क्या करना चाहिए।*

बार-बार चक्कर आना विटामिन बी12, विटामिन डी और फोलेट यानी विटामिन बी9 की कमी से जुड़ा हो सकता है। विटामिन बी12 और फोलेट रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इनकी कमी से एनीमिया हो सकता है, जिससे शरीर और दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और चक्कर, कमजोरी व थकान महसूस हो सकती है। वहीं विटामिन डी की कमी मांसपेशियों की कमजोरी और संतुलन बिगड़ने का कारण बन सकती है, जिससे कुछ लोगों को चक्कर या अस्थिरता महसूस हो सकती है। हालांकि केवल चक्कर आने के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि शरीर में किसी विशेष विटामिन की कमी है। इसके पीछे कई अन्य स्वास्थ्य कारण भी हो सकते हैं। इसलिए बार-बार चक्कर आने पर डॉक्टर की सलाह लेकर जरूरी जांच और ब्लड टेस्ट कराना चाहिए, ताकि सही कारण का पता लगाकर उचित इलाज किया जा सके। अगर चक्कर आने के साथ लगातार कमजोरी, बहुत ज्यादा थकान, सांस फूलना, धुंधला दिखाई देना, हाथ-पैरों में झनझनाहट, चलने में परेशानी, बेहोशी, तेज सिरदर्द या सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकते हैं। अगर चक्कर बार-बार आएं या लंबे समय तक बने रहें, तो बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह लेकर जरूरी जांच करानी चाहिए।

# अचानक बदल गई है रेलशनशिप?

पा र्टनर का किसी और से सिर्फ इमोशनली जुड़ जाना भी एक बहुत बड़ी खतरे की घंटी है, जिसे इमोशनल चीटिंग कहते हैं। इसमें भले ही कोई फिजिकल इंटीमेसी शामिल न हो, फिर भी यह धोखे का ही एक टाइप है। अगर आपका पार्टनर भी ऐसा कुछ कर रहा है, तो इन जरूरी संकेतों से आप इसका पता लगा सकते हैं।

### फोन को लेकर सुपर प्रोटेक्टिव होना

अगर आपका पार्टनर अचानक अपने फोन को लेकर बहुत ज्यादा अलर्ट रहने लगा है, तो समझो कुछ तो गड़बड़ है। वह फोन को एक सेकंड के लिए भी खुद से दूर नहीं रखेगा, चाहे वॉशरूम जाना हो या किचन में। इसके अलावा, फोन का पासवर्ड बार-बार बदलना या हर सिंगल ऐप पर प्राइवेसी लॉक लगा देना एक बहुत बड़ा रेड फ्लैग है। फोन छुपाने के साथ-साथ अगर पार्टनर का ज्यादातर समय स्क्रीन पर ही बीत रहा है, तो यह खतरे का इशारा है। एक तो आपको उनके फोन का एक्सेस नहीं है, और दूसरा वो लगातार किससे चैटिंग या बात करने में बिजी हैं, इस बात की आपको कोई भनक नहीं होती। अगर आपका पार्टनर अब पहले जैसा नहीं रहा और आपके बीच एक अजीब सी दूरी आ गई है इसका सीधा मतलब यह हो सकता है कि वो किसी और के क्लोज जा रहे हैं। सबसे बड़ा साइन यह है कि अब आप उनकी लाइफ और उनके 'इनर वर्ल्ड' का हिस्सा नहीं रह गए हैं।

# क्या प्रेग्नेंसी में योग और स्ट्रेचिंग करना सुरक्षित है?

## जानें जरूरी बातें

प्रे ग्नेंसी हर महिला के जीवन का एक खास दौर होता है, जिसमें शरीर में कई शारीरिक और हॉर्मोनल बदलाव होते हैं। इस दौरान मां और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों की सेहत का विशेष ध्यान रखना जरूरी माना जाता है। खानपान, आराम और सही दिनचर्या के साथ-साथ शारीरिक एक्टिविटी को लेकर भी कई सवाल मन में आते हैं। कई महिलाएं इस दौरान अपनी फिटनेस बनाए रखने और शरीर को एक्टिव रखने की कोशिश करती हैं।

हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला की स्वास्थ्य स्थिति और जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए किसी भी तरह की शारीरिक एक्टिविटी अपनाने से पहले सही जानकारी होना जरूरी है। साथ ही यह समझना भी अहम है कि प्रेग्नेंसी के अलग-अलग चरणों में शरीर की जरूरतें बदल सकती हैं। बिना सही मार्गदर्शन के कोई भी नई एक्सरसाइज शुरू करना उचित नहीं माना जाता। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि प्रेग्नेंसी में योग और स्ट्रेचिंग करना कितना सुरक्षित है, इसे करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और किन महिलाओं को पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स के अनुसार, जिन प्रेग्नेंट महिलाओं को कोई गंभीर स्वास्थ्य या प्रेग्नेंसी से जुड़ी समस्या नहीं है, वे डॉक्टर की सलाह के अनुसार योग, स्ट्रेचिंग और अन्य हल्की से मध्यम शारीरिक एक्सरसाइज कर सकती हैं। नियमित शारीरिक एक्टिविटी प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर को एक्टिव रखने में मदद कर सकती है हालांकि हर महिला की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है, इसलिए किसी भी एक्सरसाइज की शुरुआत करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। साथ ही प्रेग्नेंसी के हर चरण में शरीर की जरूरतें बदलती रहती हैं, इसलिए उसी के अनुसार एक्सरसाइज में बदलाव करना चाहिए। अगर किसी एक्टिविटी के दौरान दर्द, चक्कर, सांस लेने में परेशानी या असहजता महसूस हो, तो उसे तुरंत रोककर डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

# गांव-गांव जान बचाने वाली मितानिनों का फूटा दर्द, दुर्ग में 1400 मितानिनें बैठीं धरने पर

## सरकार को याद दिलाया 50ल मानदेय वृद्धि का चुनावी वादा

**दुर्ग।** गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों की जान बचाने वाली तथा स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली मितानिनें आज खुद अपने हक और न्याय के लिए गुहार लगाने को मजबूर हैं। दुर्ग जिला मुख्यालय के मानस भवन के पास आज सैकड़ों मितानिनों का दर्द सड़कों पर दिखाई दिया। अपनी लंबित मांगों को लेकर दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत करीब 1400 मितानिनों ने एक दिवसीय जंगी धरना प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार को उसके चुनावी वादों की याद दिलाई।सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गया चुनावी वादाघरने पर बैठी आंदोलनकारी मितानिनों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि वे वर्षों से बेहद कम मानदेय में चौबीसों घंटे ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रही हैं। कोरोना काल से लेकर सामान्य दिनों तक उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया, लेकिन उनके भविष्य और परिवार की चिंता न तो शासन ने की और न ही प्रशासन ने। मितानिनों ने प्रदेश सरकार को उसके चुनावी घोषणा पत्र की याद दिलाते हुए कहा कि चुनाव के समय उनसे मानदेय में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार बनने के बाद भी यह वादा सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है।बढ़ती महंगाई में दम तोड़ रहा है मितानिनों का बजटप्रदर्शनकारी मितानिन बहनों ने कहा कि आज के दौर में जब महंगाई सातवें आसमान पर है, इतने कम मानदेय में पूरे परिवार का भरण-पोषण करना और बच्चों को पढ़ाना नामुमकिन हो गया है। सरकार की अनदेखी के कारण आज मितानिनों के परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापनसभागार के पास घंटो चले पुरजोर धरने और नारेबाजी के बाद मितानिनों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम तीन सूत्री मांगों को लेकर दुर्ग जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। मितानिन संघ ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार उनके वादों को जल्द पूरा करे और उनके मानदेय को लेकर तत्काल कोई सार्थक और ठोस निर्णय ले, अन्यथा आने वाले समय में वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।

# अमेरिकी बलों द्वारा भारतीय नाविकों की हत्या के विरोध में दुर्ग में फूटा जन आक्रोश

## स्वदेशी जागरण मंच ने राष्ट्रपति व पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

**दुर्ग।** समुद्र में तीन निहत्थे भारतीय नाविकों की कथित हत्या के मामले को लेकर गुरुवार को दुर्ग शहर की सड़कों पर भारी जन आक्रोश देखने को मिला। स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त बैनर तले कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी सशस्त्र बलों की इस बर्बर कार्रवाई के विरोध में एक विशाल आक्रोश रैली निकाली। रैली के समापन पर कार्यकर्ताओं ने दुर्ग जिला कलेक्टर के माध्यम से देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा।अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन सौंपे गए ज्ञापन में संगठन ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक और कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा निहत्थे नागरिकों पर की गई यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों, वैश्विक मानवाधिकारों और समुद्र में नागरिक जहाजों की सुरक्षा से जुड़े स्थापित नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के रवैये को बेहद असंवेदनशील बताते हुए मांग की है कि इस पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच सुनिश्चित की जाए।मुआवजे और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कड़े रुख की मांग संगठन ने भारत सरकार से पुरजोर आग्रह किया है कि पीड़ित नाविकों के परिजनों को जल्द से जल्द न्याय और उचित आर्थिक मुआवजा दिलाया जाए। इसके साथ ही सरकार इस गंभीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (ह) सहित सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पूरी मजबूती के साथ उठाए। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े ऐसे मामलों पर अभी सख्त रुख नहीं अपनाया गया, तो भविष्य में विदेशों में हमारे नागरिकों के साथ ऐसी अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है।बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कार्यकर्ताइस विरोध प्रदर्शन और आक्रोश रैली में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक और भारी संख्या में स्थानीय युवा शामिल हुए। सभी ने हाथों में तख्तियां लेकर इस घटना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की।

# आँवराभाटा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव

**दंतेवाड़ा।** जिले के विकासखंड दंतेवाड़ा के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम हाई स्कूल, आँवराभाटा में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का आत्मीय स्वागत करने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी भीमा मंडावी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रमेश गावड़े, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष कैलाश गुप्त मिश्र, जनपद पंचायत सदस्य रामू राम नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मौके पर अतिथियों ने अपने उद्बोधन में शिक्षा को जीवन की सफलता की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए प्रेरित किया। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें पुस्तकें, गणवेश वितरित किए गए। और जनप्रतिनिधियों ने बच्चों का मुंह मीठा कराकर उनके नए शैक्षणिक सत्र की शुभ शुरुआत की गई। इस मौके पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। अभिभावकों से उन्होंने आग्रह किया कि वे बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और उनकी पढ़ाई में सहयोग दें। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो बच्चों को आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाती है तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान खंड स्त्रोत समन्वयक जितेंद्र शर्मा, प्राचार्य श्रीमती बबीता दोहरे, व्याख्याता श्रीमती सुनीता गोस्वामी, सभी संकुल समन्वयक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में विकासखंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# संपत्ति कर में 6% छूट पाने का अंतिम मौका, 30 जून तक टैक्स पटाकर उठाएं लाभ

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के समस्त करदाताओं को सूचित किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संपत्तिकर (प्रॉपर्टी टैक्स) का भुगतान 30 जून 2026 तक करने वाले करदाताओं को नियमानुसार 6 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि के पूर्व अपना कर जमा करने की अपील की है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि समय पर कर भुगतान से न केवल करदाताओं को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा, बल्कि शहर में चल रहे विकास एवं जनसुविधा कार्यों के लिए आवश्यक राजस्व भी उपलब्ध होगा। निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कर भुगतान की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया गया है, ताकि करदाता बिना किसी परेशानी के अपना कर जमा कर सकें। नागरिक नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर नकद (कैश) के माध्यम से कर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा यूपीआई , एनईएफटी , आरटीजीएस सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। करदाता घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी अपना संपत्तिकर जमा कर सकते हैं। नगर निगम दुर्ग ने सभी करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम दिनों की भीड़ से बचने के लिए 30 जून 2026 से पूर्व अपना संपत्तिकर जमा करें तथा 6 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करें। निगम प्रशासन ने कहा है कि समय पर कर भुगतान शहर के विकास में नागरिकों की महत्वपूर्ण भागीदारी को भी दर्शाता है।

# आपातकाल का संघर्ष और राष्ट्रसेवा की प्रतिमूर्ति थे स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा : सौरभ जैन

**तिल्दा-नेवरा।** सादगी, संघर्ष, राष्ट्रसेवा और सामाजिक समर्पण के प्रतीक रहे स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का व्यक्तित्व आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उक्त विचार रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष और 'लोकतंत्र प्रहरी' सौरभ जैन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का जीवन राष्ट्रभक्ति और जनसेवा के प्रति पूर्णतः समर्पित था। संघ और जनसंघ से जुड़ाव का सफर-सौरभ जैन ने अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि स्वर्गीय मालूराम शर्मा ने बेहद साधारण परिस्थितियों में जीवन व्यतीत किया और एक छोटी चाय की दुकान संचालित करते थे। इसी दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ताओं से हुआ। राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर वे सक्रिय रूप से जुड़ गए। उन्हें तत्कालीन प्रांत प्रचारक स्वर्गीय शांताराम जी जैसे वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आपातकाल का कठिन दौर और परिवार का त्याग-वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू होने पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए पंडित मालूराम शर्मा ने अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान उन्हें 'मीसा' के तहत गिरफ्तार कर रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। लगभग दो वर्षों तक चले उस कठिन दौर में उनके परिवार को घोर आर्थिक और सामाजिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। जैन ने बताया कि उस विषम परिस्थिति में भी उनके परिवार ने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।

जो कि एक मिसाल है।

# 1470 मितानिनों ने किया धरना-प्रदर्शन, नियमितीकरण व मानदेय वृद्धि की मांग

**दंतेवाड़ा।** प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ के बैनर तले जिले की लगभग 1470 मितानिनों ने बुधवार को अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं मितानिन कार्यकर्ताओं ने शासन से नियमितीकरण, मानदेय वृद्धि एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि मितानिनें वर्षों से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभा रही हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण तथा जनस्वास्थ्य जागरूकता जैसे कार्यों में उनकी अहम भूमिका है, इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित मानदेय और सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। मितानिनों ने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच वर्तमान मानदेय से जीवन-यापन करना कठिन हो रहा है। उन्होंने सरकार से मितानिनों के कार्यों और योगदान को ध्यान में रखते हुए सम्मानजनक मानदेय निर्धारित करने तथा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान मितानिन कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास किया। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को आगामी दिनों में और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर मितानिनों ने शासन-प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं के निराकरण की मांग की। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर की बड़ी संख्या में मितानिन कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाई।

### ये हैं प्रमुख मांगें

मितानिनों का नियमितीकरण किया जाए।

मानदेय में वृद्धि कर सम्मानजनक पारिश्रमिक दिया जाए।

सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाए।

● कथन ÷मितानिनें स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम पंक्ति में कार्य कर रही हैं। सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लेना चाहिए।÷

**-कस्तूरी नाग, जिलाध्यक्ष, मितानिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ, दंतेवाड़ा**

# रायपुर में 28 जून को जुटेंगे लोकतंत्र के सिपाही, सीएम करेंगे सेनानियों का सम्मान

## आपातकाल की याद में भव्य सम्मेलन

रायपुर। आपातकाल की कड़वी यादों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से आगामी 28 जून को राजधानी रायपुर में एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

इस वृहद कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 'लोकतंत्र प्रहरी संगठन' के पदाधिकारियों ने एक पत्रकार वार्ता (प्रेस कॉन्फ्रेंस) कर विस्तृत जानकारी साझा की।25 जून 'संविधान हत्या दिवस' और 26 जून 'आपातकाल स्मृति दिवस'पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने 1975 के काले दौर को याद किया। उन्होंने बताया कि 25 जून 1975 को देश पर थोपे गए आपातकाल की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' तथा 26 जून को 'आपातकाल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। श्री उपासने ने कहा कि उस 21 महीने के दंश के दौरान देश में नागरिक स्वतंत्रताओं का पूरी तरह हनन कर दिया गया था, प्रेस पर सख्त सेंसरशिप लागू थी और हजारों लोकतंत्र समर्थकों को मीसा जैसे काले कानूनों के तहत बिना किसी दोष के जेलों में ठूस दिया गया था।पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मनेगा उत्सव, मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानसंगठन की ओर से बताया गया कि 28 जून को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मुख्य समारोह आयोजित होगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा करने वाले 'लोकतंत्र सेनानियों' (मीसा बंदियों) को शॉल व श्रीफल से सम्मानित करेंगे।÷आपातकाल योद्धा÷ स्मारिका का होगा विमोचन, छात्र भी होंगे पुरस्कृतइस सम्मेलन के दौरान दमनकारी नीतियों के खिलाफ लड़ने वाले नायकों के इतिहास को समेटे हुए एक विशेष स्मारिका ÷आपातकाल योद्धा÷ का भव्य विमोचन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, युवा पीढ़ी को इस इतिहास से जोड़ने के लिए विद्यालय और महाविद्यालय (स्कूल व कॉलेज) स्तर पर एक विशेष निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को भी मंच पर अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com